राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 1अगस्त–2021 वर्ष–4, अंक – 189 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉयोलॉजिकल ई वैक्सीन को बच्चों पर परीक्षण करने की नहीं मिली अनुमति

नई दिल्ली। बच्चों पर कोरोना वैक्सीन के परीक्षण के लिए सरकार ने फार्मा कंपनी बॉयोलॉजिक ई का आवेदन रद्द कर दिया है। कंपनी ने हाल ही में स्वदेशी वैक्सीन का परीक्षण 18 साल से कम आयु वालों पर भी करने के लिए अनुमति मांगी थी लेकिन बीते बृहस्पतिवार को हुई विशेषज्ञ कार्य समिति (एसईसी) की बैठक में इस प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया। कंपनी ने आवेदन के साथ पहले और दूसरे परीक्षण परिणाम भी साझा किए थे। समिति के सदस्य ने बताया कि समीक्षा के दौरान परीक्षण परिणाम पूरे नहीं मिले हैं जिसके आधार पर वैक्सीन की सुरक्षा और प्रतिरक्षा क्षमता के बारे में अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। इसलिए फिलहाल इस वैक्सीन पर बच्चों में परीक्षण की अनुमति नहीं दी जा सकती है। कंपनी से और दस्तावेज जमा करने के लिए कहा है। दरअसल बायोलॉजिकल ई कंपनी ने कॉर्बेवैक्स वैक्सीन बनाई है जिस पर फिलहाल तीसरे चरण का परीक्षण चल रहा है। कंपनी को उम्मीद है कि यह परीक्षण पूरा होने के बाद 21 सितंबर तक उसे आपात इस्तेमाल की अनुमति मिल सकती है। इसलिए कंपनी ने 30 करोड़ खुराकें उपलब्ध कराने की जानकारी भी सरकार को दी है। इसी कंपनी को पिछले महीने सरकार ने 1500 करोड़ रुपये का एडवांस भुगतान भी किया है। अभी तक यह परीक्षण 18 साल या उससे अधिक आयु वालों पर चल रहा है लेकिन कंपनी का मानना है कि पहले दो परीक्षण परिणाम संतोषजनक मिलने के आधार पर बच्चों में भी इसका परीक्षण किया जा सकता है ताकि जब वैक्सीन को मान्यता मिले तो इसे हर वर्ग के लिए उपलब्ध कराया जा सके। फिलहाल तीसरे चरण के तहत देश के 15 अस्पतालों में 1,268 लोगों पर परीक्षण चल रहा है। समिति से मिली जानकारी के अनुसार जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी ने एकल खुराक वाली वैक्सीन का भारत में परीक्षण करने की अनुमति मांगी है जिस पर फैसला नहीं हो पाया है। अगली बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी।

अगस्त में भारत के हाथों में होगी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कमान, आतंकवाद पर और तेज होगा प्रहार

● तिरुमूर्ति ने कहा कि परिषद में भारत के पिछले सात महीनों के कार्यकाल में हमने विभिन्न मुद्दों पर एक सैद्धांतिक और दूरंदेशी रुख अपनाया है। हम जिम्मेदारियों को निभाने से नहीं डरते। हम सक्रिय रहे हैं। हमने अपनी प्राथमिकता वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है। राजदूत ने कहा कि हमने परिषद के भीतर विभिन्न विचारों के बीच अंतर को पाटने के प्रयास किए हैं ताकि सुनिश्चित हो सके कि परिषद आज के कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर साथ रहे और एक सुर में बात करे। हमारी अध्यक्षता में हम यही करने की कोशिश करेंगे।

नई दिल्ली। 1 अगस्त से एक महीने के लिए भारत के हाथों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कमान होगी। भारत 1 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा और इस महीने के दौरान समुद्री सुरक्षा, शांति स्थापना की कवायद करने और आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करने को तैयार है। महासभा अध्यक्ष के कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, भारत के राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने यूएन महासभा प्रमुख को भारत की अध्यक्षता के दौरान होने वाली मुख्य गतिविधियों से अवगत कराया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने 15 राष्ट्रों के शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र निकाय की भारत द्वारा अध्यक्षता संभाले जाने की पूर्व संध्या पर एक वीडियो संदेश में कहा कि हमारे लिए उसी माह में सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालना विशेष सम्मान की बात है जिस माह हम अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बतौर अध्यक्ष भारत का पहला कार्य दिवस सोमवार यानी 2 अगस्त होगा। तिरुमूर्ति महीने भर के लिए परिषद के कार्यक्रमों पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में मिश्रित संवाददाता सम्मेलन करेंगे यानी कुछ लोग वहां मौजूद होंगे जबकि अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़ सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक तिरुमूर्ति संयुक्त राष्ट्र के उन सदस्यों देशों को भी कार्य विवरण उपलब्ध कराएंगे जो परिषद के सदस्य नहीं हैं। बता दें कि सुरक्षा परिषद के एक अस्थायी सदस्य के रूप में भारत का दो साल का कार्यकाल 1 जनवरी, 2021 को शुरू हुआ। यह सुरक्षा परिषद के गैर स्थायी सदस्य के तौर पर 2021-22 कार्यकाल के दौरान भारत की पहली अध्यक्षता है। भारत अगले साल दिसंबर में फिर से सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा।

अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षा और आतंकवाद को रोकने जैसे विषयों पर ध्यान देगा तथा इन मुद्दों पर उच्च स्तरीय कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेगा और ठोस रणनीति बनाने पर जोर देगा। तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत परिषद के भीतर और बाहर दोनों जगह आतंकवाद से लड़ने पर जोर देता रहा है। हमने आतंकवाद से लड़ने के प्रयासों को न केवल मजबूत किया है खासतौर से आतंकवाद के वित्त पोषण को, बल्कि हमने आतंकवाद पर ध्यान को कमजोर करने की कोशिशों को भी रोका है।

वीडियो संदेश में तिरुमूर्ति ने कहा कि समुद्री सुरक्षा भारत की उच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा परिषद के लिए इस मुद्दे पर समग्र रूप से रुख अपनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि शांतिरक्षण का विषय %शांतिरक्षा में हमारी अपनी लंबी और अग्रणी भागीदारी को देखते हुए दिल के करीब है%। साथ ही कहा कि भारत शांतिरक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के विषय पर ध्यान केंद्रित करेगा विशेषकर बेहतर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से,और उसका ध्यान इस बात पर भी रहेगा कि शांतिरक्षकों के खिलाफ अपराध करने वाले दोषियों को कानून के हवाले किया जाए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहने वाले देश के रूप में, भारत आतंकवाद को रोकने के प्रयासों पर लगातार बल देता रहेगा।

तिरुमूर्ति ने कहा कि परिषद में भारत के पिछले सात महीनों के कार्यकाल में हमने विभिन्न मुद्दों पर एक सैद्धांतिक और दूरंदेशी रुख अपनाया है। हम जिम्मेदारियों को निभाने से नहीं डरते। हम सक्रिय रहे हैं। हमने अपनी प्राथमिकता वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है। राजदूत ने कहा कि हमने परिषद के भीतर विभिन्न विचारों के बीच अंतर को पाटने के प्रयास किए हैं ताकि सुनिश्चित हो सके कि परिषद आज के कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर साथ रहे और एक सुर में बात करे। हमारी अध्यक्षता में हम यही करने की कोशिश करेंगे।

गंदा मास्क पहनने से हो सकता है ब्लैक फंगस का खतरा

एम्स में 352 मरीजों पर हुआ अध्ययन

नई दिल्ली। कोरोना से बचाव के लिए साफ और बेहतर मास्क का इस्तेमाल ब्लैक फंगस (म्यूकोरमाइकोसिस) से भी बचाने में मददगार साबित हो सकता है। एम्स के 352 मरीजों पर हुए ताजा शोध में सामने आया है कि लंबे समय तक कपड़े का मास्क पहनने से गंदगी की वजह से ब्लैक फंगस होने की आशंका अधिक हो जाती है, इसलिए इसे इतने अधिक समय तक पहनने से बचना चाहिए। खासकर ऐसे मरीज जिनकी प्रतिरोध क्षमता कम है उन्हें अधिक सावधान रहने की जरूरत है। अध्ययन में 152 मरीज ऐसे थे जो कोरोना के साथ ब्लैक फंगस से भी पीड़ित थे, जबकि 200 मरीज ऐसे थे जो सिर्फ कोरोना से संक्रमित थे। शोध के मुताबिक, ब्लैक फंगस से पीड़ित मिले सिर्फ 18 फीसदी मरीजों ने ही एन 95 मास्क का इस्तेमाल किया था। वहीं करीब 43 फीसदी ऐसे मरीजों ने एन 95 मास्क का इस्तेमाल किया था जिन्हें ब्लैक फंगस का संक्रमण नहीं था। ब्लैक फंगस से पीड़ित 71.2 फीसदी मरीजों ने या तो सर्जिकल या कपड़े के मास्क का इस्तेमाल किया था। इनमें भी 52 फीसदी मरीज कपड़े वाले मास्क का इस्तेमाल कर रहे थे। 10.7 फीसदी मरीजों ने किसी भी मास्क का इस्तेमाल नहीं किया था। जिन कोरोना मरीजों को ब्लैक फंगस नहीं हुआ था उनमें से 42.5 फीसदी मरीजों ने एन 95 और 14.5 फीसदी ने सर्जिकल मास्क का प्रयोग किया था। शोध में पता चला कि गैर ब्लैक फंगस श्रेणी में 36 फीसदी ने कपड़े के मास्क और 7 फीसदी ने किसी मास्क का इस्तेमाल नहीं किया था। कपड़े वाले गंदे मास्क का कई बार और देर तक इस्तेमाल करने से म्यूकोरमाइकोसिस का खतरा अधिक हो सकता है। जरूरी हो तो कपड़े के मास्क के नीचे सर्जिकल मास्क पहनें और 6 घंटे के अंदर सर्जिकल मास्क को भी बदल दें या कपड़े के मास्क को साफ कर पहनें।

केरल में क्यों काल बनता जा रहा है कोरोना, वैज्ञानिक इसे मान रहे हैं असली वजह

नई दिल्ली। केरल में कोरोना एक बार फिर से काल बनता जा रहा है। केरल में बढ़ते कोरोना के अप्याशित मामलों ने देश की टेंशन बढ़ा दी है। केरल में कोरोना के संक्रमण में तेजी की वजह से कई स्तरों पर चिंता जताई जा रही है। इसे तीसरी लहर के खतरे के रूप में भी देखा जा रहा है। लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि केरल में पिछली लहर में संक्रमण अपेक्षाकृत कम रहने की वजह से यह अब बढ़ रहा है। भारतीय चिकित्सा एवं अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा मई में कराए गए सीरो सर्वे में पाया गया कि केरल में करीब 44 फीसदी आबादी में एंटीबॉडीज हैं। इसका मतलब हुआ कि टीकाकरण या संक्रमण की वजह से 44 फीसदी लोगों में प्रतिरोधक क्षमता पैदा हुई है। जबकि पूरे देश में करीब 67 फीसदी आबादी में प्रतिरोधकता पाई गई थी। कई राज्यों में यह प्रतिशत 67 से भी ज्यादा था। लेकिन केरल उन राज्यों में है, जहां यह सबसे कम 44 फीसदी रहा।

अधिक सीरो पॉजिटिविटी वाले राज्यों में संक्रमण का खतरा न्यूनतम

इसका मतलब यह है कि देशव्यापी दूसरी लहर के दौरान केरल कोरोना का प्रसार रोकने में काफी हद तक सफल रहा। जिस कारण उसकी आधी से भी कम आबादी ही प्रभावित हुई जबकि ज्यादातर राज्यों में दो तिहाई आबादी प्रभावित हुई है। दूसरे, जितनी ज्यादा संख्या में आबादी में एंटीबॉडीज पाई जाएंगी तो उससे नए संक्रमण का खतरा कम होगा। यह माना जा रहा है कि जिन राज्यों में 70-80 फीसदी तक सीरो पॉजिटिविटी पाई गई है, वहां संक्रमण का खतरा न्यूनतम रह गया है तथा जिन राज्यों में यह दर कम रही है, वहां संक्रमण का खतरा ज्यादा है। केरल के आंकड़ों से साफ है कि वहां संवेदनशील आबादी अभी भी 54 फीसदी है इसलिए संक्रमण फैल रहा है।

नया वेरिएंट नहीं आया तो संक्रमण का प्रसार होने की आशंका न्यूनतम

विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा स्थिति में यदि वायरस का नया वेरिएंट नहीं आता है तो फिर संक्रमण का प्रसार होने की आशंका न्यूनतम है। बशर्ते की लोग कोरोना अनुकूल व्यवहार का पालन करें। लेकिन केरल में आबादी कम संक्रमित होने की वजह से डेल्टा वेरिएंट से संक्रमण अभी भी बढ़ रहा है। करीब-करीब यही स्थिति पूर्वोत्तर के राज्यों में हो रही है जहां अप्रैल-मई में संक्रमण कम हुआ था।

पूरी तरह सुरक्षित हैं एस्ट्राजेनेका और स्पूतनिक टीके की मिक्स खुराक

नई दिल्ली। 'वैक्सीन कॉकटेल' से जुड़े बहुप्रतीक्षित अध्ययन के अंतरिम नतीजे सामने आ गए हैं। अजरबैजान के शोधकर्ताओं ने एस्ट्राजेनेका और स्पूतनिक लाइट टीके को मिलाकर बनाई गई मिश्रित खुराक को न सिर्फ सुरक्षित, बल्कि ज्यादा प्रभावी भी पाया है। अजरबैजान में 'वैक्सीन कॉकटेल' का असर आंकने की प्रक्रिया फरवरी 2021 में शुरू हुई थी। 50 प्रतिभागियों पर हुई आजमाइश के दौरान प्रतिभागियों में कोई गंभीर साइडइफेक्ट नहीं उभरे। अलबत्ता उनमें सार्स-कोव-2 वायरस के खिलाफ ज्यादा मजबूत और दीर्घकालिक प्रतिरोधक क्षमता पैदा हुई। एस्ट्राजेनेका और स्पूतनिक लाइट टीके की मिश्रित खुराक बनाने के लिए 'हेटरोजीनस बूस्टिंग' तकनीक का सहारा लिया गया। इस तकनीक में 'ह्यूमन एडिनोवायरस सीरोटाइप-26' को प्राथमिक, जबकि 'ह्यूमन एडिनोवायरस सीरोटाइप-26' को द्वितीय तत्व के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ये दोनों ही वायरस 'ह्यूमन एडिनोवायरस' के उपस्वरूप हैं। शोध दल में शामिल किरील दमित्रिव ने दावा किया कि 'हेटरोजीनस बूस्टिंग' तकनीक से तैयार 'वैक्सीन कॉकटेल' शुरुआती परीक्षण में सुरक्षित मिला है। इसकी मदद से कोरोना वायरस के खिलाफ बेहद मजबूत प्रतिरोधक क्षमता विकसित हुई, जो लंबे समय तक टिकी रहती है। रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष (आरडीआईएफ) और उसके सहयोगी इस अध्ययन के नतीजे मध्य अगस्त में जारी करेंगे।

कोविशील्ड और कोवैक्सीन की मिक्स खुराक के ट्रायल की सिफारिश

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की विषय विशेषज्ञ समिति ने कोवैक्सीन और कोविशील्ड की मिश्रित खुराक के परीक्षण की अनुमति देने की सिफारिश की है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

जज की संदिग्ध मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, सरकार से एक हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली। अदालतों की हिफाजत और न्यायाधीशों की सुरक्षा व संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने धनबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश उत्तम आनंद की मौत मामला का स्वतः संज्ञान लिया। एक ऑटो रिक्शे ने जज आनंद को टक्कर मार दी थी जब वह सुबह की सैर के लिए निकले थे। चीफ जस्टिस एनवी रमण और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने झारखंड के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को एक हफ्ते के अंदर न्यायाधीश आनंद की मौत की जांच पर स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। इस मामले में शुरू में यह माना जा रहा था कि न्यायाधीश आनंद की मौत एक दुर्घटना थी लेकिन जब घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया तो पता चला कि वाहन चालक ने जानबूझकर जज को टक्कर मारी थी क्योंकि वह उस वक्त सड़क के किनारे

चल रहे थे। जज आनंद झरिया विधायक संजीव सिंह के करीबी रंजय सिंह की हत्या के मामले सहित कुछ हाई प्रोफाइल मामलों की सुनवाई कर रहे थे। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में उत्तर प्रदेश के एक गैंगस्टर अमन सिंह के गिरोह के दो सदस्यों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। झारखंड हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को इस घटना का स्वतः संज्ञान लिया था। हाईकोर्ट इन मामलों की निगरानी कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि उसके आदेश से झारखंड हाईकोर्ट के समक्ष चल रहे मामले पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और हाईकोर्ट अपने द्वारा शुरू किए गए स्वतः संज्ञान मामले में कार्यवाही जारी रख सकता है।

ऑटो ने जज को मारी टक्कर

गौरतलब है कि गुरुवार को धनबाद में मार्निंग वॉक के दौरान जज उत्तम आनंद को ऑटो ने कुचल दिया था, गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। जिस तरह घटना को अंजाम दिया गया है उसे साजिश बताया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि जज उत्तम आनंद सड़क किनारे धीरे-धीरे दौड़ लगा रहे हैं और पीछे से तेज रफ्तार एक ऑटो सड़क पर सीधा चल रहा है और जज के नजदीक आकर वह अपना डायरेक्शन बदल देता है और जज को रौंदते हुए आगे निकल जाता है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब -घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज वायरल होने पर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट में डीजीपी ने कहा,जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा, अगर जांच सही नहीं हुई तो केस सीबीआई के पास ट्रांसफर किया जाएगा।

पुलवामा में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो आतंकियों को मार गिराया है। फिलहाल सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान चला रखा है। जानकारी के अनुसार, खुफिया एजेंसियों को इनपुट मिला था कि पुलवामा के त्राल के नागबेरान तारसर के जंगल में आतंकी छिपे हैं। इस पर सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को आत्मसमर्पण के लिए कहा, लेकिन आतंकियों ने आत्मसमर्पण नहीं किया। आतंकियों ने खुद को घिरा देख सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी मुंहतोड़ जवाब देते हुए दो आतंकियों को मार गिराया है। आतंकियों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। फिलहाल सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान चला रखा है। इससे पहले, 24 जुलाई को उत्तरी कश्मीर के सीमांत जिले बांदीपोरा में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का ऑपरेशन शुरू हुआ, जो लगातार तीन दिन चला। सुरक्षाबलों द्वारा सुमलर इलाके के शोकबाबा और आरागाम जंगल क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। जोकि लगातार करीब 72 घंटे से भी ज्यादा समय चला। इस ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराने में सफलता पाई। ये सभी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा से संबंधित थे। मारे गए आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं। दरअसल यह ऑपरेशन 24 जुलाई को

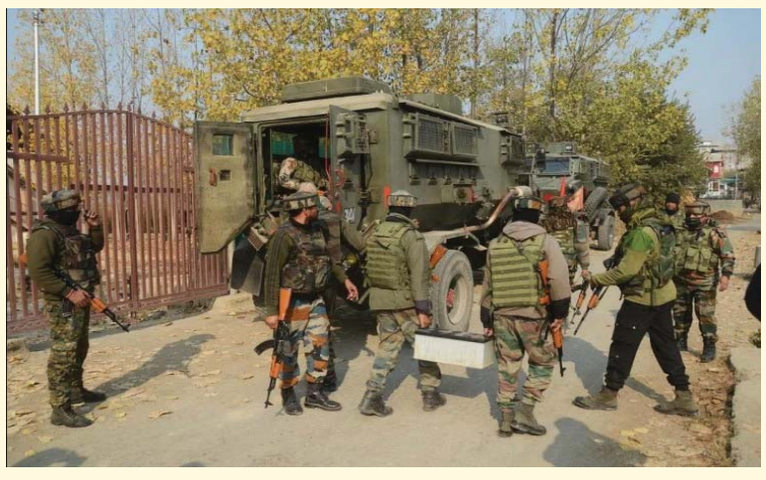

तड़के उस समय शुरू हुआ जब पुलिस को जिले के सुमलर इलाके के शोकबाबा जंगल क्षेत्र में आतंकियों के एक बड़े दल की मूवमेंट का इनपुट मिला। इस इनपुट के आधार पर तुरंत जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सेना की 13 और 14 आरआर व सीआरपीएफ के साथ मिलकर एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया।

इस दौरान सेना की इलीट फोर्स पैरा और मारकोस को भी ऑपरेशन में शामिल किया गया। आतंकियों ने एडवांस सर्च पार्टी पर ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिसका जवानों ने भी मुहतोड़ जवाब दिया। इस मुठभेड़ में शुरू में दो आतंकियों को, जबकि रविवार की सुबह एक और आतंकी को मार गिराया गया। सूत्रों के अनुसार यह पांच आतंकियों का एक ग्रुप था, जिसमें बताया जा रहा है कि एक स्थानीय और बाकी के चार पाकिस्तानी आतंकी थे। मारे गए आतंकियों में से एक आतंकी की शिनाख्त शाकिर अल्ताफ बाबा के तौर पर हुई, जो वर्ष 2018 में अटारी-वाघा बॉर्डर से पाकिस्तान गया था और हाल ही में एलओसी से घुसपैठ कर कश्मीर में दाखिल हुआ था। बता दें कि शाकिर अल्ताफ बाबा के मारे जाने की पुष्टि कश्मीर जोन के आईजी विजय कुमार ने की थी। मारे गए आतंकियों के शव बरामद कर लिए गए हैं और उनके पास से तीन एके 47 राइफलें, 280 कारतूस और 13 मैगजीन बरामद हुई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मूल्यांकन से परिणाम

कोरोना महामारी से प्रभावित समय में आखिरकार केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए। 12वीं पास करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह भावनाओं का मिला-जुला अवसर होगा। ज्यादातर विद्यार्थी न तो स्कूल गए थे और न प्रत्यक्ष पढ़ाई ही की थी, इसके बावजूद वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धति से जो परिणाम आए हैं, उनकी प्रशंसा करनी चाहिए। इस वर्ष 99.37 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। 99.67 प्रतिशत लड़कियां और 99.13 प्रतिशत लड़के सफल हुए हैं। इस बार भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि उनमें अंतर ज्यादा नहीं है, लेकिन यह एक संकेत है कि जिन लड़कियों को मौका मिल रहा है, वे लड़कों से बेहतर पढ़ाई कर रही हैं। पढ़ाई के प्रति लड़कियों का लगाव कोई तुक्का नहीं है। यह अपने आप में इतिहास है कि किन हालात में परिणाम आए हैं। देश भर में कोरोना संक्रमण में वृद्धि के चलते केंद्र सरकार द्वारा 12वीं की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। बोर्ड ने बाद में 12वीं के मूल्यांकन का मानदंड तैयार करने के लिए 13 सदस्यीय समिति का गठन किया था। देश की सर्वोच्च अदालत को भी समाधान तलाशने के लिए आगे आना पड़ा था। देश में कई लोग प्रत्यक्ष परीक्षा कराने के पक्ष में थे, लेकिन अंतत- परीक्षा न कराने पर सहमति बनी और मूल्यांकन का पैमाना तय हुआ। अब यह हमेशा के लिए इतिहास में दर्ज हो गया है कि कोरोना महामारी के कारण सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं रद्द कर दी गई थीं और छात्रों का परिणाम मूल्यांकन फॉर्मूला से घोषित किया गया था। वैसे संकट के समय भी परिणाम देखकर उत्साह बढ़ना लाजिमी है। 5.37 प्रतिशत छात्रों को 95 फीसदी से ज्यादा और 11.51 फीसदी छात्रों के 90 से 95 फीसदी के बीच अंक आए हैं। मतलब अपने देश में सौ में से 17 विद्यार्थी 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल कर रहे हैं। संभावना है कि यदि प्रत्यक्ष परीक्षा हुई होती, तो 20 प्रतिशत से ज्यादा विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल होते। खैर, इन परिणाम के बावजूद प्राइवेट व पत्राचार वाले छात्रों को तो 16 अगस्त से 15 सितंबर के बीच परीक्षा देनी पड़ेगी। कोरोना संकट के समय उन्हें ज्यादा नुकसान हुआ है। उन्हें किसी मूल्यांकन प्रक्रिया द्वारा पास करना आसान नहीं है। भविष्य के लिए यह एक संकेत है कि संकट के समय में स्वतंत्र रूप से या पत्राचार के जरिए पढ़ाई करने वालों को नुकसान होगा। इन परिणामों ने हमें बहुत सिखाया है। क्लास टेस्ट से लेकर सामान्य कक्षा परीक्षाओं में भी पूरे मनोयोग व मेहनत से प्रदर्शन करना चाहिए। भविष्य में जब भी ऐसे संकट के मौके आएंगे, तब किसी भी छात्र का मूल्यांकन उसके पिछले प्रदर्शन के आधार पर ही किया जाएगा। जो छात्र उत्तीर्ण हुए हैं, उन्हें आगे भी चुनौतियों का सामना करने के लिए दूसरे छात्रों की तुलना में ज्यादा मुस्तैद रहना पड़ेगा। इस बैच के छात्रों की किसी से तुलना तो नहीं होनी चाहिए, लेकिन होगी जरूर, अत- इस बैच के छात्रों को अतिरिक्त रूप से मेहनत करते हुए योग्यता के पैमाने पर खरा उतरना पड़ेगा। इन छात्रों के संरक्षण और शैक्षणिक विकास के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों को भी सजग रहना होगा। मूल्यांकन के आधार पर परिणाम देने से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि ऐसे छात्रों के लिए आगे की शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया जाए।

'आज के ट्वीट

घोषणा पत्र

हमारी सरकार ने पूर्व की तरह चुनावी घोषणा पत्र को नीतिगत दस्तावेज बनाकर कार्य किया है। मुझे खुशी है कि हम घोषणा पत्र के अधिकांश वादों को पूरा करने की ओर अग्रसर हैं।

-- मु. अशोक गहलोत

मानसून की बेरुखी से कृषक चिंतित

- अशोक 'प्रवृद्ध'

कृषि कार्य ही नहीं वरन देश की सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए अहम मानी जाने वाली मानसूनी बारिश के बेरुखी के कारण खरीफ फसलों की बुआई में हो रही विलम्ब से देश के कृषक अभी से ही चिंतित, हतोत्साहित नजर आ रहे हैं। दक्षिणी -पश्चिमी मानसून के बिगड़े मिजाज से खरीफ की बुआई अर्थात बोआई के देर से होने की आशंका ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, और वे सिर पर हाथ धर खेतों में बैठ सोचने को विवश हैं। जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के अंतिम सप्ताह तक सूखे जैसे हालात के चलते देश के कई भागों में खरीफ फसलों की बुआई थम सी गई थी। मानसून काल में होने वाली वर्षा सिर्फ कृषि कर्म का आधार नहीं होती, वरन देश की सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण होती है। लेकिन इस खरीफ मौसम में देश के 50 प्रतिशत हिस्से में सामान्य से कम बारिश हुई है, जिसका असर खरीफ मौसम की खेती पर पड़ने की आशंका उत्पन्न हो गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार एक से 18 जुलाई के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून से हुई बारिश सामान्य से 26 प्रतिशत कम हुई है। बीते सप्ताह मानसून कई राज्यों में सक्रिय हुआ है। इस सप्ताह देश के 694 जिलों में सामान्य से 35 प्रतिशत कम बरसात हुई है। जबकि इसके पहले वाले सप्ताह में 42 प्रतिशत की कमी थी। एक शोध एजेंसी क्रिसिल की एक रिपोर्ट के मुताबिक 23 जून से 12 जुलाई के बीच मानसून से होने वाली बारिश 55 प्रतिशत कम हुई है। जबकि राजस्थान में 58 और गुजरात में 67 प्रतिशत की कमी रही है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार चालू खरीफ सीजन में पहली जून से 20 जुलाई तक उत्तर प्रदेश में 46 प्रतिशत कम, बिहार में 48 प्रतिशत और झारखण्ड में 42 प्रतिशत कम तथा पूर्वोतर के राज्यों में बारिश में भारी कमी आई है। चालू खरीफ सीजन में देश के कई राज्यों में इस प्रकार की मानसून की इस बेरुखी, अर्थात इस गड़बड़ चाल से खरीफ काल की खेती पर विपरीत असर पड़ा है। उल्लेखनीय है कि समय पर देश में दस्तक देने के बावजूद मानसून धीमी, सुस्त हो चली है। देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसून की बारिश में देरी के कारण खरीफ फसलों की बुआई पिछड़ती दिख रही है। अभी तक धन रोपनी का कार्य भी समाप्त नहीं हुआ है, और सामान्य बारिश होने के बावजूद मूंग, उड़द और कपास की बुवाई के लिए अब बहुत कम समय शेष बचा है । इससे दलहनी व तिलहनी फसलों की उत्पादकता भी प्रभावित होने की आशंका उत्पन्न हो गई है । कई राज्यों में मानसून की बेरुखी से दलहनी और तिलहनी फसलों की बुआई पूरी तरह थम गई है। बुआई में होने वाली देरी का प्रतिकूल असर फसलों की उत्पादकता पर पड़ता है। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक आने वाले दो तीन सप्ताह खरीफ सीजन की खेती के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होने वाले हैं। जुलाई में मानसून की बेरुखी का असर खेती पर पड़ा है। 23 जुलाई तक कुल फसलों का बोआई आंकड़ा 7.21 करोड़ हेक्टेयर तक ही पहुंच पाया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक कुल 7.92 करोड़ हेक्टेयर में बोआई हो चुकी थी। कम बरसात के कारण बुआई लगभग नौ प्रतिशत पीछे चल रही है। उड़द की बुआई पिछले साल के मुकाबले 23 प्रतिशत पीछे है। इसी तरह मूंग की बुआई 18 प्रतिशत पीछे है और बाजरा 29.16 प्रतिशत पीछे चल रहा है। तिलहनी फसलों की बोआई 17 लाख हेक्टेयर पीछे चल रही है। खरीफ की प्रमुख फसल धान, दलहन, तिलहन के साथ ही मोटे अनाज और कपास की बुआई पीछे चल रही है। कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार खरीफ की प्रमुख फसल धान की रोपाई चालू खरीफ में अभी तक केवल 156.51 लाख हैक्टेयर में ही हो पाई है, जबकि पिछले वर्ष इस समय तक इसकी रोपाई 178.73 लाख हैक्टेयर में हो चुकी थी। चालू खरीफ सीजन में दलहन की बुआई घटकर 82.41 लाख हैक्टेयर में ही हुई है, जबकि गत वर्ष इस समय तक 100.04 लाख हैक्टेयर में दालों की बुआई हो चुकी थी। खरीफ दलहन की प्रमुख फसलों अरहर और उड़द की बुवाई पीछे चल रही है, जबकि मूंग की बुवाई पिछले साल की समान अवधि की तुलना में थोड़ी अधिक हुई है। मोटे अनाजों की बुआई भी पिछड़ कर चालू खरीफ में अभी तक 118.84 लाख हैक्टेयर में ही हो पाई है जबकि पिछले साल इस समय तक मोटे अनाजों की बुआई 132.88 लाख हैक्टेयर में हो चुकी थी। मोटे अनाजों में मक्का की बुआई चालू सीजन में थोड़ी बढ़कर 61.35 लाख हैक्टेयर में हो चुकी है, जबकि पिछले साल इस समय तक इसकी बुआई 61.32 लाख हैक्टेयर में ही हुई थी। बाजरा की बुआई चालू सीजन में घटकर अभी तक केवल 40.66 लाख हैक्टेयर में ही हुई है जबकि पिछले साल इस समय तक 54.87 लाख हैक्टेयर में बाजरा की बुआई हो चुकी थी। खरीफ तिलहनों की बुआई भी चालू खरीफ में घटकर अभी तक केवल 123.58 लाख हैक्टेयर में ही हो पाई है जबकि पिछले साल इस समय तक इनकी बुवाई 123.69 लाख हैक्टेयर में हो चुकी थी। कपास की बुवाई भी चालू खरीफ सीजन में 11.09 फीसदी पिछे चल रही है। अभी तक देशभर में कपास की बुवाई केवल 92.70 लाख हैक्टेयर में ही हो पाई है जबकि पिछले साल इस समय तक इसकी बुवाई 104.27 लाख हैक्टेयर में हो चुकी थी। गन्ने की बुवाई चालू खरीफ सीजन में बढ़कर 50.52 लाख हैक्टेयर में हो चुकी है जबकि पिछले साल इस समय तक गन्ने की बुवाई 49.72 लाख हैक्टेयर में ही हो पाई थी। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार पिछले वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी मानसून सामान्य रहने की उम्मीद थी,जिससे किसानों में काफी उत्साह था। लेकिन जून माह में अच्छी बारिश एवं जुलाई माह में कम बारिश के चलते किसानों की फसलों को काफी नुकसान हुआ है। इस वर्ष कुछ राज्यों में सूखे की स्थिति बनी हुई है तो कुछ राज्यों में देर से ही सही लेकिन भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। अभी तक मानसूनी बारिश के सामान्य से कम रहने का असर खरीफ फसलों की बुआई पर साफ़ देखा जा सकता है। कृषि विभाग द्वारा जारी आंकड़ों पर गौर करने से स्पष्ट होता है कि इस वर्ष 9 जुलाई 2021 तक खरीफ फसलों की बुआई 50 मिलियन हेक्टेयर तक हुई है, जो कुल खरीफ क्षेत्रफल का 46.6 प्रतिशत है, जबकि इस अवधि में पिछले वर्ष 55.6 मिलयन हेक्टेयर में बुवाई हुई थी, जो कुल खरीफ बुआई के क्षेत्रफल का 52.5 प्रतिशत है। इस प्रकार इस वर्ष 9 जुलाई 2021 तक पिछले वर्ष के मुकाबले 10.4 प्रतिशत कम खरीफ फसल की बुआई हुई है। यद्यपि कृषि व कल्याण मंत्रालय के द्वारा खरीफ फसल बुआई का आंकड़ा प्रत्येक वर्ष 9 जुलाई को जारी किया जाता है, लेकिन इस वर्ष 4 दिन के विलम्ब से 13 जुलाई 2021 को खरीफ फसल की बुआई का आंकड़ा जारी किया गया है। इसी प्रकार खरीफ फसल की बुआई का पहला आंकड़ा 25 जून को जारी किया जाता है, जबकि इस वर्ष 5 दिन की देरी से 30 जून 2021 को जारी किया गया है। फसलों के अनुसार देश भर में बुवाई का रकबा सरकार ने जारी किया है। जारी आंकड़ों के अनुसार भी खरीफ की महत्वपूर्ण फसलों यथा, धान, ज्वार, बाजरादि खाद्यान, अरहर, उडद, मूंग आदि दलहन फसलों के साथ ही सोयाबिन, मूंगफली, कपास आदि सभी खरीफ फसलों की बुआई पर देश भर में मानसून का असर सीधा देखा जा सकता है। आंकड़ों के अनुसार गन्ना को छोड़कर शेष सभी फसलों की बुवाई पर असर हुआ है। मूंग, सोयाबीन, धान और कपास समेत लगभग सभी खरीफ फसलों की बुआई पिछड़ गई है। मौसम विभाग के संशोधित अनुमानों के अनुसार देश के सभी इलाकों में मानसून की बारिश को 8 जुलाई तक पहुंच जाना था, लेकिन 9 जुलाई तक सिर्फ 229.7 मिमी. बारिश हुई, जो 243.6 मिमी. की सामान्य बारिश से छह प्रतिशत कम है। 7 जुलाई तक देश भर में वर्षा 46.3 प्रतिशत की कमी थी, जो 14 जुलाई को समाप्त हुए सप्ताह में 7 प्रतिशत की कमी रह गई थी। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में वर्षा में सुधार होने पर खरीफ फसल की बुआई में वृद्धि दर्ज की जाएगी। बहरहाल मानसूनी बेरुखी अर्थात बारिश की कमी के कारण किसान अब कम समय में पकने वाली फसल लगा रहे हैं। आदिकाल से कृषि पर आश्रित देश के किसानों को अब भी उम्मीद है कि मानसून की रफ्तार जोर पकड़ेगी, और मिट्टी में नमी बढ़ने से वे बुआई की रकबा बढ़ा सकेंगे, और इन्द्रदेव की मेहरबानी रही तो खरीफ की बेहतर फसलोपज से देश की अर्थव्यवस्था को एक नई गति देने में कदम से कदम मिलाकर चल भी सकेंगे।

ज्ञान गंगा

पूंजीवाद

आचार्य रजनीश ओशो/ पूंजीवाद हमारे मन में सिर्फ एक गाली की तरह आता है, एक निंदा की तरह आता है बिना यह जाने की पूंजीवाद ने मनुष्य जाति के लिए किया क्या है। बिना यह जाने की पूंजीवाद ही मनुष्य जाति को समाजवाद तक पहुंचाने की प्रक्रिया है, बिना यह समझे हुए कि अगर कभी मनुष्य समान होगा और अगर कभी सारे मनुष्य खुशहाल होंगे और अगर कभी मनुष्य दीनता और दरिद्रता से मुक्त होंगे तो उसमें सौ प्रतिशत हाथ पूंजीवाद का होगा। पूंजीवाद के बारे में दो तीन बातें समझ लेना जरूरी है। पहली यह कि पूंजीवाद पूंजी पैदा करने की व्यवस्था का नाम है। एक ऐसी व्यवस्था जो संपत्ति का सृजन करती है। दुनिया में पूंजीवाद से पहले किसी व्यवस्था ने पूंजी पैदा नहीं की थी। पैदा करने का मतलब यह है कि जो अगर पैदा न करता तो खदानों से न निकलती, जमीन से निकलती, न आकाश से निकलती। आज जमीन पर जो पूंजी है वह पैदा की गई पूंजी है। वह कोई प्राकृतिक संपत्ति नहीं है जो किसी खदान से मिलती हो, जमीन से मिलती हो, किसी झरने से मिलती हो, किसी प्रकृति से, किसी जगह से मिलती हो। पूंजीवाद ने ड़ेढ सौ वर्षो में पूंजी पैदा करने की व्यवस्था ईजाद की। इससे पहले जो भी व्यवस्थाएं थी वह लुटेरी व्यवस्थाएं थीं। चंगेज हो कि तैमूर लंग हो कि दुनिया में कोई सम्राट हो सामंतों ने पूंजी को लुटा था, शोषण किया था, लेकिन पूंजीवाद ने पूंजी पैदा की, लेकिन हम सामंतवाद के साथ ही पूंजीवाद को रखने के आदि हो गए हैं। हम सोचते हैं कि पूंजीवाद ने भी पूंजी का शोषण किया है। पूंजीवाद ने पूंजी निर्मित की है और पूंजी निर्मित हो जाए तो बंटवारा हो सकता है। पूंजी अगर निर्मित न हो तो बंटवारा किस चीज का होगा? पूंजीवाद संपत्ति पैदा करता है, समाजवाद संपत्ति बांटता है। लेकिन पैदा करना पहला काम है। बांटना दूसरा काम है और अगर पूंजीवाद संपत्ति नहीं पैदा कर पाए तो समाजवाद केवल गरीबी बांट सकता है। अगर हमारे देश ने निर्णय लिया समाजवादी होने का तो हम सदा के लिए गरीब होने का निर्णय लेंगे क्योंकि हम गरीबी बांटकर रह जाएंगे क्योंकि पूंजी को पैदा करने की व्यवस्था के सूत्र हमारे ध्यान में हैं। पहली बात यह समझ लेना जरूरी है कि दुनिया के सारे लोगों ने मिलकर पूंजी पैदा नहीं की है बिल्कुल थोड़े से लोगों ने पूंजी पैदा की है। हम सबसे पुरानी कौम हैं और जमीन पर हमारी सबसे पुरानी संस्कृति है। लेकिन हम संपत्ति क्यों पैदा नहीं कर पाए क्योंकि हम संपत्ति विरोधी देश हैं।

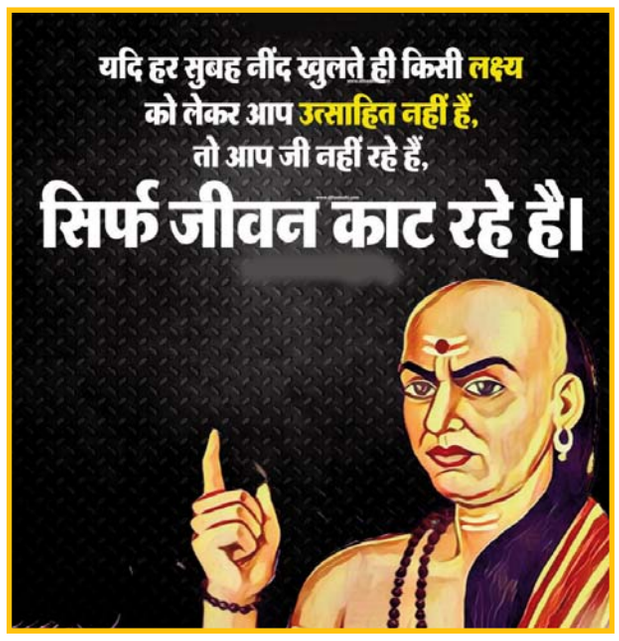

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

प्रतिकूल परिस्थिति में भी शिक्षा नीति पर प्रगति

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

राष्ट्रीय परिवेश के अनुरूप निर्मित शिक्षा नीति के एक वर्ष पूरे हुए। कोरोना संकट के कारण यह यात्रा बाधित हुई। शिक्षण संस्थाओं को महीनों तक बन्द करना पड़ा। इसके बाद भी भविष्य की आशा धूमिल नहीं हुई। अनेक स्तरों पर नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन संबन्धी प्रयास भी चलते रहे। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उल्लेख भी किया। कहा कि एक वर्ष में शिक्षाविदों ने शिक्षा नीति को धरातल पर उतारने में कड़ी मेहनत की है। भारत की यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में बड़ा योगदान देगी। बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय देश के युवाओं के लिए नए अवसर का सृजन करेगी। यह अंतर अनुशासनात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ भारत को अनुसंधान एवं विकास का वैश्विक हब बनाने में सहायक होगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए एक नई कल्पना का सूत्रपात किया है। यह एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण से जुड़ी दृष्टि को रेखांकित करने वाली है। विगत एक वर्ष में देश के बारह सौ से ज्यादा उच्च शिक्षण संस्थानों ने स्किल इंडिया से जुड़े कोर्सों की शुरुआत की है। ग्यारह भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई संभव होगी। फिलहाल पांच भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू होगी। ग्यारह अन्य भाषाओं में इंजीनियरिंग के कोर्स का अनुवाद शुरू हो चुका है। मातृभाषा में पढ़ाई से गरीबों का बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। प्रारंभिक शिक्षा में भी मातृभाषा को प्रमोट करने का काम शुरू हो गया है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था वहां के परिवेश के अनुकूल होनी चाहिए। इसमें उसकी भाषा, सभ्यता संस्कृति,सामाजिक मूल्यों को समुचित स्थान मिलना चाहिए। ऐसी शिक्षा नीति ही राष्ट्रीय स्वाभिमान का जागरण करती है। अंग्रेजों द्वारा भारत में शुरू की गई शिक्षा राष्ट्रीय स्वाभिमान को हीनता में बदलने वाली थी। शिक्षा केवल बाबू बनाने के लिए होगी, तो उससे व्यक्ति समाज और राष्ट्र का अपेक्षित लाभ नहीं हो सकता। मानवीय दृष्टिकोण का भाव भी होना चाहिए। भारत में तो जीवन का अंतिम लक्ष्य मोक्ष बताया गया। उसी के अनुरूप सभी कार्यों का संदेश दिया गया। आधुनिक युग में होने वाले सकारात्मक बदलाव की स्वीकार करना अनुचित नहीं। लेकिन यह सब अपनी महान विरासत के प्रतिकूल नहीं होना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं से कोई अपेक्षा नहीं थी। किंतु स्वतन्त्र भारत की शिक्षा नीति में परिवेश के अनुकूल परिवर्तन की उम्मीद थी। यह नहीं हो सका। वर्तमान सरकार ने इस दिशा में कदम उठाया है। तीन दशकों बाद केंद्र में शिक्षा नाम प्रतिष्ठित हुआ। मानव संसाधन इसका विकल्प नहीं था। शिक्षा स्वयं में बहुत व्यापक अनुभूति का शब्द है। व्यक्ति समाज व राष्ट्र के सम्पूर्ण संचालन को यह प्रभावित करने वाला शब्द है। नाम में सुधार के साथ समय के अनुकूल व्यापक सुधार किए गए है। अगले दशक तक पूर्व विद्यालय से माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा का सार्वभौमिकरण किया जाएगा। स्कूल से दूर रह रहे दो करोड़ बच्चों को फिर से मुख्य धारा में लाएगा। प्राथमिक शिक्षा में बड़े बदलाव किए जाएंगे। स्कूली पाठयक्रम को व्यवहारिक बनाया जाएगा। बुनियादी योग्यता को महत्व दिया जाएगा। क्लास छह से व्यावसायिक शिक्षा प्रारंभ हो जाएगी। पांचवीं कक्षा तक मातृभाषा क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई होगी। उच्च शिक्षा में अवसर बढ़ेंगे। इसके पाठ्यक्रम में विषयों की विविधता होगी। ट्रांसफर ऑफ क्रेडिट की सुविधा के लिए अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना हो रही है। संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की स्थापना की जाएगी। महाविद्यालयों को पन्द्रह वर्षों में चरणबद्ध स्वायत्तता के साथ संबद्धता प्रणाली पूरी की जाएगी। नई शिक्षा नीति स्कूली और उच्च शिक्षा दोनों में बहुभाषावाद को बढ़ावा देती है। पाली, फारसी और प्राकृत के लिए राष्ट्रीय संस्थान, भारतीय अनुवाद और व्याख्या संस्थान की स्थापना की जाएगी। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और विद्या प्रवेश सहित नए शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अथवा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कार्यक्रम युवाओं को भविष्योन्मुखी बनाएगा। इससे संचालित अर्थव्यवस्था के रास्ते खोलेगा। नरेंद्र मोदी ने कहा कि दशकों से ये माहौल समझा जाता था कि अच्छी पढ़ाई के लिए विदेश जाना जरूरी है। अब स्थिति इससे उलट होगी।

अच्छी पढ़ाई व श्रेष्ठ संस्थानों में दाखिले के लिए विदेशों से भारत आएंगे। नई शिक्षा नीति युवाओं की आशा आकांक्षाओं और भविष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

RBI आंकड़ा रखरखाव नियमः मास्टकार्ड ने ऑडिट रिपोर्ट रिजर्व बैंक को सौंपी

नई दिल्ली: अमेरिका की भुगतान प्रौद्योगिकी कंपनी मास्टरकार्ड ने शुक्रवार को कहा कि उसने स्थानीय स्तर पर आंकड़े रखे जाने के नियमों के अनुपालन को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक को ऑडट रिपोर्ट सौंप दी है। स्थानीय स्तर पर आंकड़े रखे जाने से जुड़े नियमों का अनुपालन नहीं करने को लेकर आरबीआई ने 14 जुलाई को मास्टरकार्ड पर नए क्रेडिट, डेबिट और प्रीपेड कार्ड जारी करने को लेकर अनिश्चितकाल के लिए पाबंदी लगा दी थी। पाबंदी 22 जुलाई से प्रभाव में आई। स्थानीय स्तर पर आंकड़े रखने के नियमों के तहत कंपनी को भारतीय ग्राहकों के आंकड़े देश में ही रखने की जरूरत है। मास्टरकार्ड ने कहा, ''आरबीआई ने जब अप्रैल 2021 में हमसे स्थानीय स्तर पर आंकड़े रखने के बारे में अतिरिक्त स्पष्टीकरण मांगा था, हमने अनुपालन को दिखाने के लिए डेलॉयट की सेवा ली थी।'' उसने कहा, ''हम अपैल से आरबीआई के लगातार संपर्क में रहे हैं और 20 जुलाई, 2021 को हमने इस बारे में रिपोर्ट आरबीआई को सौंपी।''

एनएचएसआरसीएल ने बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए पहला पूरी ऊंचाई वाला बनाया घाट

नई दिल्ली। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने शनिवार को कहा कि उन्होंने 508 किलोमीटर लंबी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना पर पहला पूर्ण ऊंचाई वाला घाट बनाया है, जिसे बुलेट ट्रेन परियोजना के नाम से जाना जाता है। एनएचएसआरसीएल की प्रवक्ता सुषमा गौड़ ने कहा कि एनएचएसआरसीएल ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर गुजरात के वापी के पास चैनेज 167 पर पहला पूर्ण ऊंचाई वाला घाट बनाकर अपने निर्माण कार्य में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो महाराष्ट्र, दादर और नगर हवेली और गुजरात को जोड़ने वाले 12 स्टेशनों से होकर गुजरेगा। उन्होंने कहा, इस गलियारे पर घाट की औसत ऊंचाई लगभग 12-15 मीटर है और इस घाट की सटीक ऊंचाई 13.05 मीटर है, जो लगभग चार मंजिला इमारत के बराबर है। उन्होंने कहा कि घाट पर 183 घन मीटर कंक्रीट की मात्रा और 18.820 मीट्रिक टन स्टील डाला गया था। गौर ने कहा कि लिफ्ट में विशेष शटरिंग व्यवस्था आठ घंटे में बेहतर गुणवत्ता प्रदान करने वाले गलियारे की प्रमुख विशेषताओं में से एक है। उन्होंने कहा, इस क्षेत्र में चल रहे कोविड - 19 महामारी और चल रहे मानसून के मौसम के कारण जनशक्ति और अन्य रसद चुनौतियों की भारी कमी के बावजूद यह प्रमुख निर्माण मील का पत्थर हासिल किया गया है। आने वाले महीनों में ऐसे कई घाटों को बनाने की योजना है पहला हाई स्पीड रेल कॉरिडोर है। एनएचएसआरसीएल मुंबई और अहमदाबाद के बीच भारत का पहला हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनाने वाली कार्यकारी एजेंसी है। 14 सितंबर, 2017 को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व जापानी प्रधान मंत्री शिंजो आबे ने 1.08 लाख करोड़ रुपये (17 अरब डॉलर) की महत्वाकांक्षी परियोजना की आधारशिला रखी थी। बुलेट ट्रेन के 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से 508 किलोमीटर की दूरी लगभग दो घंटे में चलने की उम्मीद है। वर्तमान में मार्ग पर चलने वाली ट्रेनों को दूरी तय करने में सात घंटे से अधिक समय लगता है जबकि उड़ानों में लगभग एक घंटे का समय लगता है। एनएचएसआरसीएल ने अब तक परियोजना के लिए रेलवे ट्रैक, रेलवे पुल, सुरंग, रेलवे स्टेशन और डिपो के निर्माण के लिए कई निविदाएं प्रदान की हैं।

उच्च गुणवत्ता की खातिर भारत सेवा क्षेत्र के लिए मानदंड बना रहा हैः गोयल

नई दिल्ली:

भारत सेवा क्षेत्र के लिए मानदंड बना रहा है। इससे देश बाकी दुनिया को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं की पेशकश कर सकेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत स्वास्थ्य सेवा, होम डिलिवरी, दूरसंचार और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंत्री ने आईएसीसी-एनआईसी के दूसरे भारत-अमेरिका सेवा शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''भारत में हम सेवाओं के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए मानक बना रहे हैं जिससे हम बाकी दुनिया को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं की पेशकश कर सकेंगे। चाहे वह वित्तीय प्रौद्योगिकी हो, शिक्षा प्रौद्योगिकी हो या टेलीमेडिसिन, भारत तेजी से दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल बाजार बनने की ओर अग्रसर है।'' विधि सेवाओं के बारे में गोयल ने कहा कि भारतीय अधिवक्ता शीर्षस्तर के हैं और दुनियाभर में उनके लिए काफी अवसर उभर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करेंगे कि निचली अदालतों तथा कानूनी पेशे के वृहद पारस्थितिकी तंत्र में हम वकीलों को पर्याप्त रक्षोपाय उपलब्ध करा सकेंगे। हम आप लोगों (विशेषज्ञों) के साथ संपर्क में रहेंगे। मुझे लगता है कि हमने पहले ही इस विषय की व्यापक समीक्षा के लिए विधि मंत्रालय के अधीनस्थ एक समिति का गठन कर दिया है।'' गोयल ने कहा कि अमेरिका नवोन्मेषण, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और गुणवत्ता वाली शिक्षा का केंद्र है। वहीं भारत में प्रतिस्पर्धी मूल्य पर कुशल और मेधावी श्रमबल उपलब्ध है। भारत से वैश्विक स्तर पर सेवाओं का निर्यात 2001-02 में 17 अरब डॉलर था, जो 2020-21 में बढ़कर 205 अरब डॉलर हो गया।

प्रोडक्शन प्लांट से सीधे ग्राहकों के घर तक डिलीवर होगा ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर

मुंबई। ओला इलेक्ट्रिक भारत में जल्द ही लांच होने वाला है। कंपनी ने अपने दमदार इलेक्ट्रिक स्कूटर को बेहतरीन फीचर्स से लैस किया है। साथ ही ये इलेक्ट्रिक स्कूटर अच्छी-खासी राइडिंग रेंज के साथ भारतीय बाजार में आएगा। जानकारी के अनुसार कंपनी अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर को डीलरशिप्स नहीं बल्कि सीधा प्रोडक्शन प्लांट से ग्राहकों तक डिलीवर करने की योजना बना रही है। कहा जा रहा है कि कंपनी का इलेक्ट्रिक स्कूटर की होम डिलीवरी करने का फैसला मौजूदा हालातों को देखकर और कीमतों में अंतर को खत्म करने के लिए हो सकता है। खास बात ये है कि इससे इलेक्ट्रिक स्कूटर ग्राहकों को बार-बार डीलरशिप्स के चक्कर भी नहीं काटना पड़ेगा। बता दें कि ओला के सीईओ भाविश अग्रवाल ने ट्विटर पर अपने फॉलोवर्स से पूछा था कि क्या वे ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने के लिए एक स्टोर में जाना पसंद आएगा या इस ऑनलाइन खरीदकर इसकी होम डिलीवरी करवाना पंसद आएगा। इसके जवाब में ज्यादातर फॉलोवर्स ने कहा कि वहां ऑनलाइन माध्यम से ही स्कूटर खरीदना चाहते हैं, जिसके बाद स्कूटर उनके घर पर ही डिलीवर हो जाए।इस सवाल के जवाब में करीब 4,500 लोगों ने प्रतिक्रिया दी थी।

जुलाई में चीन की फैक्ट्री गतिविधि फरवरी 2020 के बाद सबसे धीमी गति से बढ़ी

बिजनेस डेस्क:

जुलाई में चीन की फैक्ट्री गतिविधियां 17 महीने में सबसे धीमी गति से बढ़ी। कच्चे माल की उच्च लागत, उपकरण रखरखाव और खराब मौसम का असर कारोबारी गतिविधियों पर पड़ा। जिससे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में मंदी की चिंता बढ़ गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स (NBS) के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (PMI) जुलाई में घटकर 50.4 पर आ गया, जो जून में 50.9 था लेकिन यह 50 अंक के निशान से ऊपर रहा। विश्लेषकों को उम्मीद थी कि यह घटकर 50.8 पर आ जाएगा। चीन द्वारा कोरोना महामारी को नियंत्रित करने के लिए लॉकडाउन शुरू करने के बाद फरवरी 2020 में सूचकांक 35.7 तक गिर जाने के बाद से यह सबसे कम आंकड़ा था। एनबीएस के एक अधिकारी के अनुसार, उपकरण रखरखाव और चरम मौसम के कारण उत्पादन के लिए पीएमआई का उप-सूचकांक जून में 51.9 से घटकर 51.0 हो गया। नया ऑर्डर सब-इंडेक्स 51.5 से गिरकर 50.9 पर आ गया, जो मांग में मंदी को दर्शाता है।

SBI का मॉनसून धमाका, होम लोन लेने वालों को दी बड़ी राहत

बिजनेस डेस्क:

देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने मॉनसून धमाका ऑफर की घोषणा की है। इसके तहत 31 अगस्त तक होम लोन लेने पर किसी तरह की प्रोसेसिंग फीस नहीं लगेगी। होम लोन का करीब 0.40 फीसदी प्रोसेसिंग फीस के रूप में जमा होता है। इसे माफ कर देने से लोन लेने वालों को बड़ी राहत मिलेगी। SBI की वेबसाइट के मुताबिक, प्रोसेसिंग फीस माफी को 19 जुलाई से लागू किया गया है जो 31 अगस्त तक चलेगा। एसबीआई इस समय देश में सबसे सस्ता होम लोन ऑफर कर रहा है। होम लोन के लिए इंट्रेस्ट रेट की शुरुआत 6.70 फीसदी से शुरू होती है। बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक ने मॉनसून धमाका ऑफर लॉन्च कर ग्राहकों को तोहफा दिया है। प्रोसेसिंग फीस माफ कर देने से होम लोन लेने वालों में उत्साह बढ़ेगा। बैंक को उम्मीद है कि इस ऑफर के लॉन्च होने से रियल्टी सेक्टर में मकान और फ्लैट की बिक्री में तेजी आएगी।

जनवरी में लोन पर प्रोसेसिंग फीस माफी का ऑफर

इससे पहले बैंक ने जनवरी में लोन पर प्रोसेसिंग फीस माफी का ऑफर शुरू किया था। उस समय बैंक ने कहा था कि लोन की रकम और अच्छे CIBIL स्कोर के आधार पर दिए जाने वाले होम लोन को और ज्यादा आकर्षक बनाया गया है। एसबीआई के मुताबिक Loan Repayment के अच्छे रिकॉर्ड रखने वाले ग्राहकों के लिए सस्ता लोन मुहैया कराना जरूरी है। SBI ने अपने होम लोन की ब्याज दरें Cibil से जोड़ रखी हैं और 30 लाख रुपए तक और उससे ऊपर के कर्ज के लिए ब्याज की दरें काफी कम हैं। बैंक के मुताबिक देश के आठ शहरों में 5 करोड़ तक के लिए लोन पर ब्याज में और छूट दी जा रही है।

टोरेंट पावर ने लाइटसोर्स बीपी और यूकेसीआई से 50 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली।

टोरेंट पावर लिमिटेड ने 100प्रतिशत शेयर पूंजी के अधिग्रहण के लिए लाइटसोर्स इंडिया लिमिटेड और लाइटसोर्स रिन्यूएबल एनर्जी (इंडिया) लिमिटेड के साथ एक प्रतिभूति खरीद समझौता किया है। एसपीवी महाराष्ट्र राज्य में स्थित एक 50 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र संचालित करता है, जिसे अप्रैल 2018 में चालू किया गया था। इसका सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ 25 साल की अवधि के लिए पूर्ण क्षमता के लिए दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौता है। इस अधिग्रहण के लिए अनुमानित उद्यम मूल्य वीजीएफ प्राप्य सहित लगभग 317 करोड़ रुपये है। अधिग्रहण लेनदेन बंद करने के लिए प्रथागत शर्तों के अधीन है। टॉरेंट पावर, 20,000 करोड़ रुपये के टॉरेंट ग्रुप की 12,173 करोड़ रुपये की एकीकृत बिजली उपयोगिता, देश के बिजली क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है, जो उत्पादन, पारेषण और वितरण की संपूर्ण बिजली मूल्य श्रृंखला में मौजूद है। टोरेंट पावर के पास वर्तमान में 3879 मेगावाट की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता है जिसमें 2730 मेगावाट गैस आधारित क्षमता, 787 मेगावाट नवीकरणीय क्षमता और 362 मेगावाट कोयला आधारित क्षमता शामिल है। इसके अलावा, 815 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं विकास के अधीन हैं। 50 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र के अधिग्रहण के साथ, निमार्णाधीन पोर्टफोलियो सहित टोरेंट की कुल उत्पादन क्षमता 1.6 गीगावॉट से अधिक के नवीकरणीय पोर्टफोलियो के साथ 4.7 गीगावॉट से अधिक हो जाएगी। लाइटसोर्स बीपी लाइटसोर्स रिन्यूएबल एनर्जी और ब्रिटिश पेट्रोलियम के बीच एक रणनीतिक वैश्विक साझेदारी है। यूके क्लाइमेट इन्वेस्टमेंट्स एलएलपी (यूकेसीआई) ग्रीन इन्वेस्टमेंट ग्रुप और यूके सरकार के व्यापार, ऊर्जा और औद्योगिक रणनीति विभाग के बीच एक संयुक्त उद्यम है। लाइटसोर्स इंडिया लिमिटेड एलएसबीपी (51 प्रतिशत) और यूकेसीआई (49प्रतिशत) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विदेशी होल्डिंग कंपनी है। लाइटसोर्स रिन्यूएबल एनर्जी (इंडिया) लिमिटेड एलएसबीपी की 100प्रतिशत सहायक कंपनी है। ग्रीनस्टोन एडवाइजर्स एलएलपी ने इस लेनदेन के लिए लाइटसोर्स इंडिया लिमिटेड के अनन्य वित्तीय सलाहकार के रूप में काम किया है।

8 कोर उद्योगों के संयुक्त सूचकांक में जून,2020 के मुकाबले 8.9 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के आर्थिक सलाहकार कार्यालय ने जून, 2021 के लिए आठ कोर उद्योगों(आईसीआई) का सूचकांक जारी किया है।आईसीआई चयनित आठ प्रमुख उद्योगों-कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली में संयुक्त और व्यक्तिगत उत्पादन का आकलन करता है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में शामिल वस्तुओं के कुल भारांक (वेटेज) का 40.27 प्रतिशत हिस्सा आठ कोर उद्योगों में ही निहित होता है। वार्षिक/मासिक सूचकांक और वृद्धि दर का विवरण अनुलग्नक I और II में दिया गया है। आठ कोर इंडस्ट्रीज का संयुक्त सूचकांक जून, 2021 में 126.6 पर रहा जिसमें जून, 2020 की तुलना में 8.9 फीसदी (अनंतिम) की वृद्धि दर्ज की गई। कोयला,प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली के उत्पादन में जून 2021 में गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में वृद्धि हुई। मार्च, 2021 में आठ कोर उद्योगों के सूचकांक की अंतिम वृद्धि दर को इसके अनंतिम स्तर 6.8त्न से संशोधित कर 12.6त्न कर दिया है।

लॉकडाउन में ढील से जून में ऑटो बिक्री में वृद्धि देखने को मिली- इंड-रा

नई दिल्ली।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) ने कहा कि देश के अधिकांश हिस्सों में स्थानीयकृत लॉकडाउन में ढील से जून 2021 में घरेलू ऑटो बिक्री की मात्रा में क्रमिक और साथ ही साल-दर-साल वृद्धि हुई है। एजेंसी ने ऑटोमोटिव डीलरशिप को फिर से खोलने और मूल उपकरण निमार्ताओं (ओईएम) द्वारा पिछली अवधि में निचले आधार के साथ संचालन को फिर से शुरू करने की प्रवृत्ति को श्रेय दिया है। हालांकि, जून 2021 की मात्रा ऐतिहासिक बढोतरी (जून 2019 के स्तर से 35 प्रतिशत नीचे) से काफी नीचे रही। पीवी सेगमेंट ने व्यक्तिगत गतिशीलता के लिए 119 प्रतिशत की वृद्धि की प्राथमिकता के कारण उद्योग की तुलना में अपने बेहतर प्रदर्शन को फिर से शुरू किया। इसके अलावा, रिपोर्ट में बताया गया है कि 2वॉट खंड के लिए उपभोक्ता मांग 4 प्रतिशत सालाना की दर से कम रही। जबकि मोटरसाइकिल की बिक्री में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और स्कूटर की बिक्री में 10 प्रतिशत की गिरावट आई। भारत और कार्यस्थल और कॉलेजों में ऐतिहासिक रूप से उच्च ईंधन की कीमतों के साथ युग्मित ओईएम द्वारा मूल्य वृद्धि के बीच स्वामित्व की बढ़ी हुई लागत से 2वॉट अधिक प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, जून 2021 में कुल उत्पादन में मासिक आधार पर 110 प्रतिशत का सुधार हुआ क्योंकि ओईएम ने मई 2021 में 10-15 दिनों के शटडाउन के बाद अपने संयंत्रों में परिचालन फिर से शुरू किया है। खुदरा बिक्री में भी जून 2021 में सुधार हुआ - ऑटोमोटिव डीलरशिप के फिर से खुलने के कारण पीवी और 2वॉट वॉल्यूम में क्रमश, 43 प्रतिशत और 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जून 2021 में पीवी के लिए डीलरशिप स्तर पर इन्वेंट्री बढ़कर 30-35 दिन हो गई। इंड-रा का मानना है कि अर्धचालकों की कमी के कारण मांग और आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों की उम्मीद में डीलरों के साथ ओईएम की सूची को फिर से भरने के कारण वृद्धि हुई है।

रुपये की दिशा तय करने के दरों में मजबूती की उम्मीद

नई दिल्ली।

मौद्रिक नीति में अपेक्षित यथास्थिति के साथ-साथ मजबूत इक्विटी बाजारों से आगामी सप्ताह के दौरान रुपये के मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है। पिछले हफ्ते, भारतीय रुपये में लगातार तीन साप्ताहिक लाभ के बाद जोखिम-बंद भावनाओं और फंड के ऑउटफ्लो के बाद मामूली गिरावट देखी गई है। इस दौरान यह 74.22 और 74.75 को छूने से पहले सप्ताह के अंत में 74.42 पर बंद हुआ। एडलवाइस सिक्योरिटीज में विदेशी मुद्रा और दरों के प्रमुख सजल गुप्ता ने कहा, भारतीय बाजारों से लगातार एफपीआई के बहिर्वाह के बावजूद रुपये ने एक मजबूत प्रदर्शन का प्रबंधन किया, लेकिन आईपीओ प्रवाह द्वारा समर्थित था। रुपये की मजबूती की ओर पूर्वाग्रह के साथ 74.20 से 74.70 की सीमा में व्यापार करने की उम्मीद है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में खुदरा अनुसंधान के उप प्रमुख, देवर्ष वकील के अनुसार= राजकोषीय घाटा और आठ कोर-इन्फ्रा नंबर और अगले सप्ताह की आरबीआई नीति बैठक अगले सप्ताह देखने के लिए दो प्रमुख कार्यक्रम हैं। उन्होंने कहा स्पॉट यूएसडीएनआर 74 के आसपास डाउन साइड सपोर्ट और 74.90 पर प्रतिरोध के साथ छोटे भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में है। मौद्रिक नीति समीक्षा 4-6 अगस्त के लिए निर्धारित है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के फॉरेक्स एंड बुलियन एनालिस्ट गौरांग सोमैया ने कहा, उम्मीद है कि आरबीआई अपने नरम रुख को जारी रख सकता है और साथ ही मुद्रास्फीति और विकास पर उनका दृष्टिकोण क्या होगा।

नासा-स्पेसएक्स के 2.9 अरब डॉलर के अनुबंध के खिलाफ अमेरिका ने बेजोस के विरोध को किया खारिज

सैम फ्रांसिस्को।

अमेरिकी सरकार के जवाबदेही कार्यालय (जीएओ) ने जेफ बेजोस द्वारा संचालित ब्लू ओरिजिन की अंतरिक्ष एजेंसी नासा को एलोन मस्क के स्वामित्व वाले स्पेसएक्स को उसके 2.9 बिलियन डॉलर के मून लैंडर कार्यक्रम के लिए चुनौती देने की चुनौती को खारिज कर दिया है। ब्लू ओरिजिन और रक्षा ठेकेदार डायनेटिक्स ने 2024 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने के लिए स्पेसएक्स को 2.9 बिलियन डॉलर का अनुबंध देने के लिए नासा के खिलाफ यूएस जीएओ के साथ विरोध दर्ज कराया था। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी से दो चंद्र लैंडर प्रोटोटाइप (ब्लू ओरिजिन में से एक सहित) लेने की उम्मीद थी, लेकिन अमेरिकी कांग्रेस से फंडिंग में कटौती ने एजेंसी को ब्लू ओरिजिन पर स्पेसएक्स का चयन करने के लिए प्रेरित किया। गाओ ने ब्लू ओरिजिन के विरोध को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि नासा को कार्यक्रम के लिए उपलब्ध धन की राशि के परिणामस्वरूप चर्चा में शामिल होने, संशोधन करने या घोषणा को रद्द करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। एक ट्वीट में, मस्क ने फ्लेक्सिंग बाइसेप इमोजी के साथ जीएओ ट्वीट करके इस खबर का जवाब दिया। अमेजॅन के संस्थापक जेफ बेजोस ने इस सप्ताह की शुरूआत में नासा को अपनी अंतरिक्ष कंपनी ब्लू ओरिजिन को मानव चंद्र लैंडिंग सिस्टम (एचएलएस) अनुबंध देने के लिए 2 बिलियन डॉलर तक की छूट की पेशकश की। मस्क के साथ अपने अंतरिक्ष युद्ध को आगे बढ़ाते हुए, बेजोस ने नासा के प्रशासक बिल नेल्सन को एक खुले पत्र में कहा कि उनकी कंपनी अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी की निकट-अवधि की बजटीय कमी को बंद कर देगी और एक सुरक्षित और टिकाऊ लैंडर का उत्पादन करेगी जो अमेरिकियों को चंद्रमा की सतह पर ले जाएगी। ब्लू ओरिजिन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हम अपने विश्वास में दृढ़ हैं कि नासा के फैसले के साथ मौलिक मुद्दे थे, लेकिन जीएओ उनके सीमित अधिकार क्षेत्र के कारण उन्हें संबोधित करने में सक्षम नहीं है।

एनटीपीसी का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत बढ़कर 3,444 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली,

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी का अप्रैल-जून तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत बढ़कर 3,443.72 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। मुख्य रूप से आमदनी बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 2,948.94 करोड़ रुपये रहा था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही में उसकी कुल आय पिछले वर्ष की समान अवधि के 26,794.68 करोड़ रुपये से बढ़कर 30,390.60 करोड़ रुपये हो गई। जून तिमाही में एनटीपीसी का सकल बिजली उत्पादन एक साल पहले की समान अवधि के 60.18 अरब यूनिट (बीयू) की तुलना में 71.74 अरब यूनिट था। जून तिमाही में कंपनी को घरेलू कोयले की आपूर्ति (उसके संयंत्रों के लिए) 4.58 करोड़ टन रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.01 करोड़ टन थी। अप्रैल-जून तिमाही में एनटीपीसी का कोयला उत्पादन (खुद के इस्तेमाल वाली खानों से) 24.6 लाख टन रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 24.1 लाख टन था। कंपनी का कोयला आयात जून तिमाही में दो लाख टन से बढ़कर 4.7 लाख टन हो गया। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की औसत बिजली दर 3.73 रुपये प्रति यूनिट रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 3.98 रुपये प्रति यूनिट थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मनु और राही 25 मीटर पिस्टल फाइनल्स में जगह बनाने से चूकी

(एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की निशानेबाजी स्पर्धा में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन का सिलसिला जारी रहा जब मनु भाकर और राही सरनोबत महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल्स में प्रवेश से चूक गई। प्रिसीजन दौर के बाद 292 स्कोर करके मनु कल छठे स्थान पर थी लेकिन रैपिड दौर के बाद वह शुक्रवार को कुल 582 स्कोर करके 15वें स्थान पर रही। रैपिड दौर में उनका स्कोर 290 रहा। वहीं ओलंपिक से ठीक पहले क्रोएशिया में विश्व कप में इसी स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतने वाली राही ने प्रिसीजन में 287 और रैपिड में 286 स्कोर किया जिसके बाद वह कुल 573 के स्कोर के साथ 32वें स्थान पर रहीं। बुल्गारिया की अंतोआनेता कोस्तादिनोवा ने 590 स्कोर करके पहला स्थान हासिल किया। चीन की जियारूइशुआन 587 के स्कोर के साथ दूसरे और रूसी ओलंपिक समिति की विटालिना बी 586 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहीं। शीर्ष आठ निशानेबाजों ने फाइनल्स के लिये क्वालीफाई किया और आठवें स्थान पर रही कोरिया की किम मिनजुंग का स्कोर मनु से दो अधिक था। भारत के 15 सदस्यीय निशानेबाजी दल में से अभी तक सिर्फ सौरभ चौधरी (10 मीटर एयर पिस्टल) फाइनल्स में जगह बना सके लेकिन क्वालीफिकेशन में शीर्ष रहने के बाद फाइनल में सातवें स्थान पर रहे।

ओलंपिक : वंदना कटारिया ने रचा इतिहास, भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 4-3 से हराया

टोक्यो।

स्ट्राइकर वंदना कटारिया की ऐतिहासिक हैट्रिक के दम पर भारत ने 'करो या मरो' के मुकाबले में निचली रैंकिंग वाली दक्षिण अफ्रीका टीम को 4.3 से हराकर तोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश की उम्मीदें बरकरार रखी है। वंदना ने चौथे, 17वें और 49वें मिनट में गोल किया। वह ओलंपिक के इतिहास में हैट्रिक लगाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई। नेहा गोयल ने 32वें मिनट में एक गोल दागा। दक्षिण अफ्रीका के लिए टेरिन ग्लस्बी (15वां), कप्तान एरिन हंटर (30वां) और मेरिजेन मराइस (39वां मिनट) ने गोल दागे। भारत ने ग्रुप चरण में पहले तीन मैच हारने के बाद आखिरी दो मैचों में जीत दर्ज की । भारतीय खेमे को अब दुआ करनी होगी कि ब्रिटेन ग्रुप ए के आखिरी पूल मैच में आयरलैंड को हरा दे या ड्रॉ खेले। हर पूल से शीर्ष चार टीमें नॉकआउट चरण खेलेंगी। भारत को स्पर्धा में बने रहने के लिए हर हालत में यह मैच जीतना था। भारतीयों ने पहले मिनट से ही दबाव बनाना शुरू कर दिया। मैच के पहले दो मिनट में भारत को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर का खराब फॉर्म जारी रहा। भारत का खाना चौथे मिनट में वंदना ने खोला। दाहिने फ्लैंक से नवनीत कौर के बनाये मूव पर करीब से गेंद लेकर उन्होंने यह गोल किया। इसके बाद भी भारतीयों ने दबाव बनाये रखा और दक्षिण अफ्रीका के गोल पर कई हमले बोले। पहले क्वार्टर के आखिरी पलों में हालांकि ग्लास्बी के गोल पर दक्षिण अफ्रीका ने बराबरी की। दूसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में वंदना ने फिर भारत को बढत दिलाई और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया। भारत को इस क्वार्टर में तीन मौके और मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। पहले क्वार्टर की ही तरह भारत ने हाफ टाइम से ठीक पहले बढ़त गंवा दी। हंटर ने अपनी टीम कोमिले पहले पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी का गोल किया। दूसरे हाफ में नेहा ने दूसरे ही मिनट पर पेनल्टी कॉर्नर पर लिये गए वेरिएशन पर गोल दागा। एक बार फिर मराइस के गोल पर दक्षिण अफीका ने बराबरी की। भारत के लिये चौथा गोल 49वें मिनटमें वंदना ने किया।

ओलंपिक (निशानेबाजी) : अंजुम और तेजस्विनी 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन के फाइनल में नहीं पहुंच सकीं

टोक्यो।

टोक्यो 2020 में असाका शूटिंग रेंज पर भारतीय खेल प्रेमियों के लिए निराशा का दौर लगातार जारी है। महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में भी भारतीय निशानेबाज अंजुम मुदगिल और तेजिस्वनी सावंत फाइनल में जगह नहीं बना सकीं हैं। अंजुम कुल 1167 के स्कोर के साथ 15वें नंबर पर, जबकि तेजिस्वनी 1154 के कुल स्कोर के साथ 37 निशानेबाजों में 33वें नंबर पर रहीं। क्वालिफिकेशन के आखिरी राउंड स्टिंडंग में अंजुम ने 94, 95, 96, 97 के स्कोर से 382 अंक बटोरे, जबकि उन्होंने क्नीलिंग में 390 और प्रोन में 395 अंक बनाए थे। तेजिस्वनी ने स्टैंडिंग में 94, 93, 95, 94 के स्कोर से 376 का स्कोर बनाया, जबकि उन्होंने क्नीलिंग में 384 और प्रोन में 394 अंक बटोरे थे। इस बीच, स्विटजरलैंड की निना क्रिस्टेन ने 50 मीटर महिला राइफल थ्री पोजिशन में स्वर्ण पदक जीत ओलंपिक में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। क्रिस्टेन ने इससे पहले 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 463.9 अंक लेकर राइफल थ्री पोजिशन में स्वर्ण पदक जीता। रूस की निशानेबाज यूलिया जाइकोवा ने 461.9 अंक के साथ रजत और यूलिया कारिमोवा ने कांस्य पदक जीता। निशानेबाजी इवेंट में भारत का टोक्यो ओलंपिक में अब एक ही इवेंट शेष रह गया है। संजीव राजपूत और एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर दो अगस्त को पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

ओलंपिक (तैराकी) : ब्रिटेन ने विश्व रिकार्ड के साथ जीता मिश्रित 4गुणा100 मीटर मेडले रिले स्वर्ण

टोक्यो।

ब्रिटेन के तैराकों ने शनिवार को यहां विश्व रिकॉर्ड समय के साथ टोक्यो ओलंपिक खेलों की मिश्रित 4गुणा100 मीटर मेडले रिले स्पर्धा का स्वर्ण जीत लिया। शीर्ष पुरस्कार के लिए 3:37.58 मिनट का समय निकालते हुएपर आते हुए, ब्रिटिश तैराक कैथलीन डॉसन, एडम पीटी, जेम्स गाय और अन्ना हॉपकिन ने चीन के पिछले विश्व रिकॉर्ड को 0.43 सेकंड के अंतर से पीछे छोड़ा। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टीम चीन, जिसमें जू जियायु, यान जिबेई, झांग युफेई और यांग जुनक्सुआन शामिल थे, ने रजत के लिए 3: 38.86 समय लिया और कांस्य जीतने वाली विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम को 0.09 सेकंड के अंतर से हराया। संयुक्त राज्य अमेरिका की विश्व रिकॉर्ड धारक केटी लेडेकी ने महिलाओं की 800 मीटर फ्रीस्टाइल जीतकर इतिहास रच दिया। वह तीसरी बार यह इवेंट जीतने वाली दुनिया की पहली महिला तैराक हैं। केटी ने आठ मिनट और 12.57 सेकंड समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। टोक्यो 2020 में लेडेकी के लिए यह चौथा पदक है, क्योंकि 24 वर्षीय फ्रीस्टाइल विशेषज्ञ ने दो सिल्वर के बाद 1,500 मीटर में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था।

ओलंपिक (बैडमिंटन) : सिंधु सेमीफाइनल में हारीं, स्वर्ण पदक का सपना टूटा

टोक्यो।

भारत की महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को यहां चल रहे टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल मुकाबले में विश्व की नंबर-1 चीनी ताइपे की ताई जू यिंग के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा है। रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिंधु भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद थी और जिस तरह उन्होंने टोक्यो में अबतक प्रदर्शन किया था उससे लग रहा था कि वह इस बार स्वर्ण पदक ला सकती हैं। लेकिन इस हार के साथ उनका यह सपना टूट गया। छठी सीड सिंधु को दूसरी सीड जू यिंग के हाथों 40 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने पहले गेम में बेहतर किया और शुरूआत में बढ़त भी ली लेकिन जू यिंग ने वापसी करते हुए पहला गेम अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में सिंधु कोई चुनौती पेश नहीं कर सकीं और यह गेम भी हार गईं। सिंधु भले ही स्वर्ण पदक की रेस से बाहर हो गई हैं लेकिन उनके पास अभी कांस्य हासिल करने का मौका है। सिंधु का कांस्य पदक मुकाबले में सामना चीन की ही बिंग जिआओ से रविवार को होगा। बिंग जिआओ को एक अन्य सेमीफाइनल में हमवतन चेन यू फेई से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने पांच साल पहले रियो ओलंपिक में रजत पदक जीता था। उन्हें फाइनल में स्पेन की कैरोलिना मारिन के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। इस बार सिंधु से रियो के प्रदर्शन से बेहतर करने की उम्मीद थी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

संक्षिप्त समाचार

एथलेटिक्स (डिस्कस थ्रो) : फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय बनीं कमलप्रीत, सीमा बाहर

टोक्यो।

भारत की कमलप्रीत कौर शानदार प्रदर्शन करते हुए टोक्यो ओलंपिक-2020 की महिला डिस्कस थ्रो इवेंट के फाइनल में पहुंच गई हैं लेकिन सीमा पुनिया को बाहर का रास्ता देखना पड़ा है। कमलप्रीत ओलंपिक डिस्कस थ्रो इवेंट के फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय हैं। इस साल मार्च में पटियाला में आयोजित फेडरेशन कप के दौरान 65 मीटर का मार्क हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय कमलप्रीत ने शनिवार को क्वालिफिकेशन ग्रुप-बी में अपने तीसरे प्रयास में 64 मीटर का ऑटोमेटिक क्वालीफाईंग मार्क हासिल कर फाइनल का टिकट हासिल किया लेकिन सीमा क्वालिफिकेशन ग्रुप-ए में तमाम प्रयासों के बावजूद 60.57 मीटर के साथ छठा स्थान हासिल कर सकीं। क्वालीफाईंग ग्रुप-ए में 15 और बी में 16 एथलीट शामिल थीं। इन दोनों ग्रुपों से कुल 12 टॉप एथलीट फाइनल में पहुंचेंगी। जिन्होंने ऑटोमेटिक क्वालीफाई किया है, उनके अलावा श्रेष्ठ दूरी तय करने वाली एथलीट वरीयता क्रम में आ जाएंगी। ग्रुप-बी से कमलप्रीत के अलावा अमेरिका की वेराले अलामान (66.42) ऑटोमेटिक क्वालीफाईंग मार्क हासिल कर सकीं। मापी गई दूरी के लिबाज से ग्रुप-ए से तीन और ग्रुप-बी से नौ एथलीटों ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। 2014 इंचियोन एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सीमा की अगर बात करें तो उनके लिए शुरूआत अच्छी नहीं हुई थी। सीमा ने सबसे पहले थ्रो किया, लेकिन वह अपने पहले प्रयास में फाउल करार दी गईं। हालांकि दूसरे प्रयास में उन्होंने 60.57 मीटर का थ्रो किया। अपने तीसरे प्रयास में भी चार बार की ओलंपियन सीमा 64 मीटर के क्वालिफिकेशन मार्क को नहीं छू सकीं। उन्होंने 58.93 मीटर का खराब थ्रो किया। सीमा के ग्रुप में सबसे बेहतर थ्रो क्रोएशिया की सेंड्रा पेरकोविच का रहा। पेरकोविच ने 63.75 मीटर का थ्रो लिया। ग्रुप-बी में शामिल कमलप्रीत ने पहले प्रयास में 60.29 मीटर की दूरी नापी। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह 63.97 तक पहुंच गईं। इस दूरी के साथ भी वह फाइनल के लिए क्वालीफाई करती दिख रही थी लेकिन उनकी कोशिश ऑटोमेटिक क्वालीफाईंग मार्क हासिल करना था और तीसरे प्रयास में वह 64 मीटर के साथ वहां पहुंच ही गईं। कमलप्रीत से पहले साल 2012 के लंदन ओलंपिक में कृष्णा पूनिया ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था लेकिन वह पदक तक नहीं पहुंच सकी थीं। क्वालीफाईंग में जो स्टैंडिंग रही, उसे अगर कमलप्रीत बरकरार रखती हैं तो वह पदक जीत सकती हैं। एनआईएस में आयोजित इंडियन ग्रां प्रि-4 में कमलप्रीत ने 66.59 की दूरी नापी थी लेकिन इसे अभी राष्ट्रीय रिकार्ड का दर्जा नहीं मिला है। कमल अगर इस प्रदर्शन को दोहरा सकीं तो भारत को महान सफलता मिल सकती है।

जूनियर बॉयज नेशनल बाक्सिंग चैंपियनशिप में चैंपियन बनकर उभरा एसएससीबी

नई दिल्ली।

सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) के मुक्केबाजों को सोनीपत के दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में शनिवार को तीसरी जूनियर बॉयज नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में ओवरआल खिताब जीतने के लिए हरियाणा की कड़ी प्रतिद्वंद्विता का सामना करना पड़ा। खास बात यह रही कि अंतिम दिन के सभी मुकाबले टक्कर के रहे।

एसएससीबी ने 64 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उसके खाते में पांच स्वर्ण पदक, चार रजत और दो कांस्य आए जबकि हरियाणा ने चार स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीतकर 48 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। चंडीगढ़ ने दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य के साथ 27 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। 52 किग्रा लाइट बेंटमवेट फाइनल में, एसएससीबी के निखिल ने उत्तर प्रदेश के रोहित यादव को एकतरफा मुकाबले में आराम से हराया। इस मुकाबले में रोहित ने शुरूआत से ही मुकाबले को नियंत्रित किया और इसका कारण यह रहा कि यूपी के मुक्केबाज के पास इस साउथपा प्रतिद्वंद्वी का कोई जवाब नहीं था। एसएससीबी के शेष चार स्वर्ण पदक विजेता आकाश (54 किग्रा), प्रीत (63 किग्रा), अंकुश (66 किग्रा) और नक्श बेनीवाल (75 किग्रा) रहे। इन चारों ने अपने-अपने भार वर्ग के फाइनल मुकाबलों में जीत हासिल की। दिन का सबसे अच्छा मुकाबला 46 किग्रा भार वर्ग का फाइनल रहा, जिसमें चंडीगढ़ के कृष

ष पाल और एसएससीबी के हर्ष के बीच टक्कर हुई। दोनों मुक्केबाजों ने जोरदार प्रहार किया और मुकाबले के शुरूआत से लेकर अंत तक लगातार हमले किए। कृष के हमले ज्यादा प्रभावशाली साबित हुए। कृष ने 3-2 के अंतर से जीत हासिल की। अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए, कृष पाल को टूर्नामेंट के सबसे होनहार मुक्केबाज के रूप में चुना गया। स्वर्ण पदक जीतने वाले चंडीगढ़ के अन्य मुक्केबाज रोहित चमोली (48 किग्रा) रहे, जिन्होंने एसएससीबी की नीरू को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराया। हरियाणा के अंशुल (57 किग्रा), यशवर्धन सिंह (60 किग्रा), गौरव सैनी (70 किग्रा) और भरत (80 किग्रा) ने अपने-अपने अंतिम मुकाबले जीते और स्वर्ण पदक हासिल किया।

ओलंपिक (मुक्केबाजी) : क्वार्टर फाइनल में हारीं पूजा रानी

टोक्यो। भारत की महिला मुक्केबाज पूजा रानी (75 किग्रा) को यहां चल रहे टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीन की किआन ली के हाथों 0-5 से हार का सामना करना पड़ा है। पूजा ओलंपिक में पदक हासिल करने से एक कदम दूर थीं। अगर वह यह मुकाबला जीत जातीं तो देश के लिए कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लेतीं। लेकिन किआन ने उन्हें एकतरफा मुकाबले पराजित कर दिया और पूजा के हार के साथ ही उनसे पदक लाने की उम्मीद धूमिल हो गई। किआन पहले राउंड से ही पूजा पर हावी रहीं और उन्होंने पांचों जजों को तीनों राउंड में काफी प्रभावित किया। किआन को पांचों जजों ने तीनों राउंड में 10-10 अंक दिए। पूजा को पहले दो राउंड में पांचों जजों से नौ-नौ अंक मिले जबकि तीसरे राउंड में एक जज को छोड़कर अन्य चार ने उन्हें नौ-नौ अंक दिए और एक एक जज ने आठ अंक दिया।

ओलंपिक (टेनिस) : कांस्य पदक मुकाबले में हारे जोकोविच

टोक्यो। विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच को पुरुष एकल वर्ग के मुकाबले में स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्ता के हाथों कांस्य पदक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। बुस्ता ने जोकोविच को शनिवार को हुए मुकाबले में 6-4, 6-7 (8-6), 6-3 से हराकर कांस्य पदक जीता। जोकोविच के पास टोक्यो ओलंपिक में गोल्डन स्लैम जीतने का मौका था। वह 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और विंबलडन का खिताब जीता था । ओलंपिक में राफेल नडाल और रोजर फेडरर जैसे खिलाड़ियों के नहीं होने से जोकोविच के पास गोल्डन स्लैम हासिल करने का बेहतर मौका था।

प्री क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद तीरंदाज अतनु दास ने मांगी माफी, कहा- सॉरी इंडिया

स्पोर्ट्स डेस्क ।

ओलंपिक की तीरंदाजी स्पर्धा में भारत की चुनौती पदक के बिना ही समाप्त हो गई जब अतनु दास पुरूषों के व्यक्तिगत वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में जापान के ताकाहारू फुरूकावा से 4.6 से हार गए। दास पांचवें सेट में एक बार भी 10 स्कोर नहीं कर सके और आठ का स्कोर उन पर भारी पड़ा। भारत को ओलंपिक में पदक ना दिला पाने पर दास ने देशवासियों से माफी मांगी हैं। पुरुषों की व्यक्तिगत तीरंदाजी स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद दास ने ट्वीट करते हुए लिखा, क्षमा करें भारत, मैं इस ओलंपिक में गौरव (पदक) नहीं ला सका। हमें भारतीय खेल प्राधिकरण, भारतीय तीरंदाजी और ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट से अब तक शानदार समर्थन मिला है। हमें आगे बढ़ते रहना चाहिए, और कुछ नहीं कहना है। जय हिंद। इसी के साथ ही दास ने भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के टोक्यो ओलंपिक के तुरंत बाद चयन ट्रायल बुलाने से बहुत खुश नहीं हैं। मीडिया से बात करते हुए अतनु ने कहा, 'ओलंपिक के तुरंत बाद आपको चयन परीक्षण के लिए बुलाया जाता है वे खेल विज्ञान के बारे में बात करते हैं। हम खेल विज्ञान जानते हैं। एक टूर्नामेंट के बीच में आपको बताया जाता है कि आपको चयन ट्रायल देने की जरूरत है और चयन ट्रायल का एक अलग तरीका है, मैंने वह देखा भी नहीं है? हमारी कोई नहीं सुनता, ऊपर से आदेश आते हैं। अतनु ने यह भी कहा कि लोग ओलंपिक में प्रदर्शन पर ध्यान देते हैं, लेकिन बहुत से लोग इस बात पर ध्यान नहीं देते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में विश्व कप और अन्य आयोजनों में तीरंदाज क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा, शायद हम ओलंपिक को बहुत गंभीरता से लेते हैं, शायद यह सिर्फ मेरा विचार या राय है। हम अपनी शूटिंग या कौशल का आनंद लेना भूल जाते हैं, हमने विश्व कप और अन्य प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की है। भारतीय तीरंदाजी में केवल ओलंपिक नहीं है।

महिलाओं की 100 मीटर सेमीफाइनल से पहले नाइजीरियाई स्प्रिंटर निलंबित

टोक्यो । नाइजीरियाई धावक ब्लेसिंग ओकागबारे को टोक्यो ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर सेमीफाइनल से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। जानकारी के मुताबिक डोपिंग परीक्षण के सकारात्मक परिणाम आने के बाद उन्हें बाहर कर प्रतिबंध लगा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, एथलेटिक्स इंटिग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने कहा कि स्प्रिंटर से एकत्र किए गए नमूने में मानव विकास हार्मोन के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद उसने तत्काल प्रभाव से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। एआईयू ने 19 जुलाई को एक आउट-ऑफ-कॉम्पिटिशन परीक्षण के दौरान उससे नमूना एकत्र किया और वाडा से मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला द्वारा सकारात्मक परिणाम के बारे में सूचित किया गया, जिसने शुक्रवार को मध्याह्न में नमूने का विश्लेषण किया। डोपिंग नियमों के तहत नाइजीरियाई एथलीट को परिणामों की पुष्टि करने के लिए अपने ÷बी÷ नमूने पर एक परीक्षण का अनुरोध करने की अनुमति है। एआईयू ने कहा कि ग्रोथ हार्मोन 2021 विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित सूची में एक गैर-निर्दिष्ट पदार्थ है और विश्व एथलेटिक्स डोपिंग रोधी नियमों के तहत एथलीट में इस तरह का पदार्थ मिलने के बाद अस्थायी निलंबन अनिवार्य है। एआईयू ने कहा कि नाइजीरियाई को प्रतिकूल विश्लेषणात्मक खोज और टोक्यो में शनिवार सुबह उसके अस्थायी निलंबन के बारे में सूचित किया गया था, जहां उसने शुक्रवार को अपनी 100 मीटर हीट जीतने के बाद शाम को होने वाली महिलाओं की 100 मीटर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिमझिम बारिश का मौसम आ गया है। हालांकि अभी झमाझम बारिश कुछ ही जगह हुई है, लेकिन हल्की ही सही, बारिश तो बारिश है। इसलिए कुछ खास तो होना ही चाहिए, ताकि लगे कि तुम भी झूम कर बरखा रानी का स्वागत कर रहे हो।

बारिश में मस्ती के बहाने

ऐसे बचाना अपने पेट्स को..

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगे नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दें। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

इंद्रधनुष देखो

दरअसल इंद्रधनुष वर्षा की बूंदों पर पड़ने वाली सूर्य की किरणों के डिस्पर्सन यानी फैलाव के कारण बनता है। जब सूर्य की किरणें वर्षा की बूंदों में प्रवेश करती हैं तो वे रिफ्लेक्ट यानी तिरछी हो जाती हैं और फिर बूंदों से निकलते समय लाइट प्रतिबिंब बनाती है। कहने का मतलब यह है कि सूर्य की किरणें कई कोणों पर रिफ्लेक्ट करती हैं, जिनकी वजह से रेन-बो बनते हैं। ये बरसात के मौसम के अलावा झरनों तथा समुद्र में बनने वाली बड़ी लहरों के पास भी दिखाई पड़ता है। सच तो यही है कि खुले स्थानों में जहां-जहां नमी बनती है, वहां-वहां रेन-बो दिखाई पड़ने की संभावना रहती है। इस मौसम में इसे तुम देख सकते हो।

गीत तो गुनगुनाओ कोई

संगीत तो स्कूल में भी तुम्हारा मनपसंद विषय है। तो देर किस बात की अपना गिटार उठाओ और शुरू हो जाओ। इंस्ट्रूमेंट तुम्हारी पसंद का कोई भी हो सकता है। छई, छप्पा छई, छप्पाक छई.. जैसा कोई भी गीत तुम गुनगुनाओगे तो ऐसा लगेगा मानो बारिश की बूंदें भी तुम्हारा साथ दे रही हैं। जरूरी नहीं कि तुम्हें बारिश के गीत गाकर मस्ती करनी है। अपनी पसंद का कोई भी गाना, जिसे गाकर व दूसरों को सुना कर मजा आए, तुम गुनगुना और गा
सकते हो।

डॉगी का साथ व रिमझिम बरसात

तुम अक्सर शाम के वक्त अपने डॉगी को पार्क में घुमाने ले जाते हो। उसके साथ खेलने में तुम्हें मजा भी बहुत आता है। तो क्यों न इस मौसम में बारिश की रिमझिम फुहारों का मजा अपने डॉगी के संग लिया जाए। यकीन मानो उसे भी बहुत मजा आएगा। ध्यान रहे कि भीगने में तुम इतने मत खो जाना, जिससे तुम्हें समय का ख्याल ही न रहे। कहने का मतलब यह है कि 10-15 मिनट के बाद खुद डॉगी के साथ वापस घर आ जाना। हां, अगर तुम्हारा डॉगी कुछ दिनों से बीमार चल रहा है तो उसे बारिश में लेकर मत जाना।

बारिश में नाव

क्या तुमने कभी नाव चलाई है? हम बड़ी नदी में चलने वाली नाव की बात नहीं कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं तुम्हारी खुद की बनाई कागज की नाव की। दरअसल अब तुम बच्चे नाव चलाकर मनोरंजन करते दिखाई नहीं देते। मगर आज भी दूरदराज के गांवों या छोटे शहरों में बच्चो बरसात के इस मौसम में मजे से नाव चलाते हैं। तुम भी दूर तक तैरती हुई नाव देख सकते हो। झमाझम बारिश के बाद तुम्हारी कॉलोनी में जगह-जगह पानी इकट्ठा हो जाता है। उस पर नाव छोड़ना, मस्ती ही मस्ती है। अगर तुम्हें फुल मस्ती चाहिए तो सभी दोस्त एक साथ अपनी कश्ती पानी में उतारो। फिर देखना कैसे छोटी-बड़ी कश्तियां धीरे-धीरे पानी में तैरती हैं। इन्हें देख कर तुम खूब मस्ती करोगे। अगर तुम्हें नाव बनानी नहीं आती तो तुम बड़े भाई या पेरेंट्स से सीखो। इन्हें नाव बनानी जरूर आती होगी। उनसे पूछना कि जब वे इस मौसम में खुद की बनाई नाव चलाते थे तो उन्हें कैसा लगता था।

बात जारी है पेज 8 पर...

इनको मिल जाती है बारिश की आहट

- भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।
- बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है।
- गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों को खुजलाना आरंभ करता है।
- अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है।
- अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश होगी।
- तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं।
- कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो बारिश या बाढ़ आती है।

गर्मागर्म पकौड़े हो जाएं

सोचो, आज छुट्टी का दिन है। आज भैया-दीदी, मम्मा-पापा, सभी घर में हैं। बाहर झमाझम बारिश हो रही है। खिड़की से तुम अपने गमले के पत्तों पर पड़ रही बूंदों को निहार कर खुश भी हो रहे हो। शाम का वक्त है। हर रोज की तरह चाय का समय है। मम्मा से कहो, मम्मा आज चाय के साथ गर्मागर्म पकौड़े बना दो। हां, तुम इतना जरूर कर सकते हो कि मम्मा की रसोई में कुछ मदद कर दो और पकौड़ों के बनते ही सभी को उनकी जगह पर सर्व भी कर देना। तुम खुद महसूस कर सकोगे कि बारिश में चाय और पकौड़ों का आनंद अलग ही होता है। तुम चाहो तो अपने कुछ दोस्तों को भी बुला सकते हो।

बारिश को उतारो कैनवस पर

तुम में ऐसे बहुत से होनहार होंगे, जो देख कर कैनवस पर हूबहू वैसा ही उतार देते हैं। बस, तो इस मस्त मौसम में क्यों न कुछ ऐसा ही किया जाए। घर की बालकनी या खिड़की से बाहर ताक-झांक करो। तुम देखोगे कि बाहर एक से एक मजेदार सीन नजर आएंगे। सब्जी वाला भैया रेहड़ी दौड़ा कर सब्जियां बचा रहा होगा तो कुछ लोग एक ही छतरी से बारिश की बूंदों से बचने की कोशिश कर रहे होंगे। तो वहीं पेड़ों पर रिमझिम बारिश से मस्त प्राकृतिक दृश्य बन रहा होगा। बस उस दृश्य को कैनवस पर कैद कर लो।

मस्ती कुछ ऐसे भी

हम जानते हैं कि तुम्हें बारिश में भीगने में बहुत मजा आता है, लेकिन मम्मा मना करती हैं। आठवीं में पढ़ने वाली श्वेत कहती हैं कि मैं तो बारिश का नाम सुनते ही झूमने लगती हूं। आर्टिफिशयल शॉवर में वो मजा कहां, जो बारिश में भीगने में आता है। हमने तो स्कूल खुलने से पहले बारिश का इंतजार शुरू कर दिया था।' वहीं स्वभाव से शरारती अंकित का कहना है कि मैं स्कूल पैदल ही जाता हूं, क्योंकि मेरा स्कूल नजदीक ही है। इन दिनों मैं चाहता हूं कि बारिश उसी समय हो, जब स्कूल की छुट्टी हो, ताकि जम कर भीगा जाए। और रास्ते में छोटे पानी भरे हर गड्ढे में छपाक से पैर जरूर मारता हूं। तो हो जाओ तैयार तुम भी।

अपना कमरा बन जाएगा सुंदर

अपने कमरे की सफाई खुद करो। कई दिन से तुम्हारी अलमारी की सफाई नहीं हुई। उस पर रखे कुछ खिलौनों से तुम सिर्फ इसीलिए नहीं खेल पाते, क्योंकि उन पर धूल जमी हुई है। बस क्या, म्यूजिक चलाओ और झूमते-झूमते हुए अपनी अलमारी को बना दो एकदम साफ-सुथरा। बारिश के बहाने ही सही, तुमने अपने कमरे को भी सजा दिया।

सीखेंगे कुछ नया

अब बाहर तो बारिश हो रही है, पार्क में जाकर खेला भी नहीं जा सकता। बारिश में भीगने का मन नहीं है। तो क्या तुम घर बैठे-बैठे बोर होना चाहते हो। क्यों न इस समय का सदुपयोग कुछ नया सीखने के लिए किया जाए। इसके लिए मम्मी से बात करो। घर के छोटे कामकाज सीखोगे तो भी अच्छा रहेगा। और कुछ नहीं तो अपना कमरा समेटना, किताबें सही जगह रखना सीखो। घर के दूसरे कामों में मां की मदद करो। अगर ये करने का मन नहीं है तो क्राफ्ट भी कर सकते हो, पोयम या कुछ और लिख सकते हो, साइट्स देख सकते हो या दादी-दादू के साथ समय बिता सकते हो।

पतंग बनाना भी है मजेदार

मार्केट से बनी हुई पतंगें तुमने कई दफा खरीदी होंगी। इस बार क्यों न खुद ही पतंग बनाई जाए। जब बाहर जाना मुमकिन न हो तो ऐसे खुद पतंग बनाने का आइडिया है कमाल का। तुम स्कूल में तो अपनी कलाकारी खूब दिखाते हो, क्यों न इस क्रिएटिविटी को पतंग बनाने में लगा दिया जाए। जब डोर थामे तुम दूर दिख रही पतंग को देखोगे तो यकीन मानो तुम्हें जरूर अच्छा सा अनुभव होगा।

दादी का अस्पताल

अंतरिक्ष के पास एक पैर से चलाने वाली साइकिल थी। वह जब उसे चलाने बाहर निकलता तो उसकी दादी पीछे दौड़तीं। घर ढलान पर था। आसपास बहुत से चिनार के पेड़ थे। जंगली घास भी थी। दादी को लगता कि कहीं बच्चा साइकिल को न संभाल सके और नीचे लुढ़क जाए। तब क्या होगा? कितनी चोट लगेगी। आसपास वाले दादी से मजाक में कहते- ऐसा करो तुम भी एक साइकिल ले लो । बच्चे के साथ चलाओ, कुछ कसरत भी हो जाएगी और यह डर भी जाता रहेगा कि अंतरिक्ष कहीं गिर न जाए। दादी सुनती और चुप रह जातीं। उन्हें लगता कि कहीं बच्चे की ज्यादा चिंता करके वह गलती तो नहीं कर रही हैं, क्योंकि सब कहते थे कि बच्चा गिरेगा नहीं, गलती नहीं करेगा तो सीखेगा कैसे?

लेकिन गलती करने के चक्कर में कहीं इतनी चोट लग गई कि संभाले नहीं संभली तब फिर सब उन्हें ही सुनाएंगे कि वह तो बच्चा है। तुम तो बड़ी थीं, रोका क्यों नहीं? खान-पान में भी वह चाहती थीं कि वह दाल खाए, सब्जी खाए, दूध पिए, मगर वह हमेशा चॉकलेट और बर्गर मांगता। दाल देखकर नाक-भौं सिकोड़ता और खाने के नाम पर इधर-उधर दौड़ता। वह अपने बेटे से कहतीं तो वह कहता-जो चाहता है खाने दो। बच्चे पर क्या रोक लगानी।

दादी को लगता कि क्या वह सचमुच पुराने जमाने की हो गईं। क्या उन्हें बच्चों के खान-पान और उनके स्वास्थ्य के बारे में कुछ नहीं मालूम। उन्हें लगा कि जब उनकी बात किसी को अच्छी ही नहीं लगती है तो वह क्यों बोलें? बस अब वह चुप रहने लगीं। अंतरिक्ष क्या खाता है, क्या करता है, इस पर वह कुछ न बोलतीं। वह उन्हें दिखाकर तेज साइकिल दौड़ाता, दादी का दिल जोर से धड़कता मगर वह चुप। वह जुकाम-खांसी में ठंडा जूस और आइसक्रीम खाने की जिद करता, उनका मन करता कि रोकें, मगर नहीं। वह एक चॉकलेट खाता, दूसरी मांगता। माता-पिता पकड़ाते जाते, दादी को बुरा लगता। सोचतीं कि बच्चों को कुछ हो न जाए, मगर किससे कहतीं? क्या सचमुच ही वह आउटडेटेड हो गई थीं या वक्त के हिसाब से दुनिया और बच्चों की जरूरतें बदल गई थीं, उन्हें ही पता नहीं चला था। वह अपने बच्चों के बचपन को याद करती थीं। बच्चे को जैसे ही कुछ तकलीफ होती थी और उन्हें समझ में नहीं आती थी तो वह फौरन अपनी मां या सास को फोन करतीं। फिर कोई न कोई दवा ऐसी होती जो घर के मसालों, सब्जियों, दही, दूध, शहद में मौजूद होती, बच्चों को देतीं और वे ठीक हो जाते। मगर अब सब बातों के लिए डॉक्टर के पास दौड़ना था। डॉक्टर न मिले तो अस्पताल ले जाना था। सवेरे का वक्त था। सब लोग ऑफिस जाने की तैयारी कर रहे थे। दादी सबके लिए खाना बना चुकी थीं। सलाद काट रही थीं कि इतने में फोन बजा। वह फोन उठाने गईं। बातचीत करके लौटीं तो देखती क्या हैं कि जिस चाकू से सलाद काट रही थीं, अंतरिक्ष उसे ही लेकर दौड़े जा रहा है। दादी को डर लगा, वह उसके पीछे दौड़ीं और फिसलने से बचीं। उन्होंने अंतरिक्ष के पापा को पुकारा-अरे देखो तो इसके हाथ से चाकू ले लो। कहीं हाथ में न लग जाए। बहुत ही शैतान होता जा रहा है। अंतरिक्ष के पापा ने दौड़कर उसे पकड़ा और दोनों हाथों को पकड़ लिया। पापा चाकू ले लेंगे, यह सोचकर उसने चाकू को तेजी से मुट्ठी में बंद कर लिया। और दादी के मुंह से निकला-हे भगवान ये क्या हुआ? अंतरिक्ष के पापा की नजर भी पड़ी। उसकी की हथेली से तेज खून बह रहा था। उसके पापा ने घबराकर कहा-मां देखो यह क्या हो गया? अभी तो डॉक्टर भी नहीं आया होगा। उसकी मम्मी भी घबरा गईं।

दादी वापस रसोई में गईं। मसालदानी से ढेर सी हल्दी लाईं और अंतरिक्ष के घाव पर बुरक दी। थोड़ी ही देर में खून बहना बंद हो गया। फिर दादी ने पानी में पट्टी को डुबोया और उसके हाथ पर बांध दी। पानी की पट्टी से क्या होगा मां? उसके पापा ने पूछा तो दादी बोलीं-इससे घाव जल्दी भर जाएगा। लेकिन खून इतनी जल्दी कैसे रुक गया? हल्दी से। हल्दी एंटीसेप्टिक भी है।

वाह भई मां, आप तो पूरी डॉक्टर निकलीं। अंतरिक्ष के पापा ने कहा तो दादी मुसकराईं। उन्हें अपने बेटे का बचपन याद आ गया। कैसे खेलते वक्त वह चोट लगाकर लाता था और वह इसी तरह के उपाय किया करती थीं। फिर भी उसके माता-पिता को लगा कि उसे डॉक्टर के पास ले जाना जरूरी है। डॉक्टर ने उसे देखा। दवा लगाई। इंजेक्शन दिया फिर कहा-आपकी मम्मी ने बिलकुल ठीक किया हल्दी लगाकर और पट्टी बांधकर, वरना बच्चे का काफी खून बह जाता। घाव गहरा है। फिर मुसकराकर बोला-इन बूढ़ों की नॉलेज के सामने तो कई बार डॉक्टर भी हार मान जाते हैं। डॉक्टर की बात सुनकर अंतरिक्ष के मम्मी-पापा को भी लगा कि उन्हें भी कभी-कभी अपने माता-पिता की नॉलेज का लाभ उठाना चाहिए। जब वे लौट रहे थे, तभी रेडलाइट पर गुब्बारा बेचने वाला आया। जब अंतरिक्ष लौटा तो उसके हाथ में बड़ा सा गुब्बारा था। वह दौड़ता हुआ दादी के पास गया-देखो गुब्बारा। दादी बोलीं-ठीक है, खूब खेलो। अंतरिक्ष ने मम्मी-पापा को बाय कहा। वे दफ्तर चले गए थे और वह खेल में मशगूल हो गया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पेरू के उत्तर प्रशांत तट पर 6.1 तीव्रता का भूकंप, 16वीं सदी का चर्च हुआ तबाह

लीमा। पेरू के उत्तर प्रशांत तट पर शुक्रवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया जिससे बेहद प्राचीन गिरजाघर क्षतिग्रस्त हो गया और कम से कम एक व्यक्ति घायल हो गया। अमेरिका के भूगर्भीय सर्वे विभाग की ओर से बताया गया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर सुल्लाना शहर से आठ किलोमीटर दूर पूर्व दिशा में आया। भूकंप दक्षिण इक्वाडोर तक महसूस किया गया। भूकंप से घबराकर लोग घरों से बाहर निकल आए। एक दीवार ढहने से एक महिला मलबे में दबने से घायल हो गई। स्थानीय टीवी स्टेशनों पर प्रसारित फुटेज में पियूरा स्थित 16वीं सदी के गिरजाघर का एक हिस्सा भूकंप के कारण ढहता नजर आया। भूकंप के कारण अन्य समुदायों के दो धर्मस्थलों और तीन दमकल केंद्रों को भी नुकसान पहुंचा। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी वक्तव्य के मुताबिक राष्ट्रपति पेड्रो कास्टिलो सैन्य परेड को बीच में छोड़कर पियूरा के लिए रवाना हो गए। भूकंप पेरू में भी महसूस किया गया।

अमेरिका में धनशोधन के जुर्म में भारतीय नागरिक को 15 महीने की जेल की सजा

वाशिंगटन। अमेरिका में एक भारतीय ट्रक चालक को धन शोधन और अवैध तरीके से आग्नेयास्त्र रखने के जुर्म में 15 महीने की जेल की सजा सुनाई गयी है और उस पर 4,710 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। न्याय विभाग के अनुसार, इंडियाना के लवप्रीत सिंह ने मार्च में धन शोधन का एक आरोप स्वीकार कर लिया। उसने एक धोखाधड़ी योजना के तौर पर अपने एक साथी से धन लेने और उसे कहीं और पहुंचाने का दोष स्वीकार किया साथ ही गैरकानूनी रूप से आग्नेयास्त्र रखने का भी आरोप स्वीकार किया। न्याय विभाग ने शुक्रवार को बताया कि ट्रक चालक के तौर पर काम करने वाले सिंह को 15 महीने की जेल की सजा हुई है और उसपर धन शोधन तथा आग्नेयास्त्र अपराधों की क्षतिपूर्ति के तौर पर 4,710 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। अदालत में मुकदमे और गवाही के अनुसार, सिंह ने 2015 से लेकर 2018 तक अमेरिका तथा भारत में नौ अन्य लोगों के साथ मिलकर धोखाधड़ी, मेल धोखाधड़ी और बैंक धोखाधड़ी की। साथ ही उस पर धन शोधन का आरोप भी लगाया गया।

झंडा लहराना पड़ा भारी, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत एक प्रदर्शनकारी को नौ साल कैद की सजा

हांगकांग। हांगकांग के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत पहली बार शुक्रवार को एक लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारी को नौ साल कैद की सजा सुनाई गई। हांगकांग उच्च न्यायालय ने संशोधित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दर्ज पहले मुकदमे की सुनवाई करते हुए तोंग यिंग कित (24) को मंगलवार को अलगाववाद तथा आतंकवादी घटनाओं में संलिप्त होने का दोषी ठहराया था। तोंग पर आरोप था कि वह पिछले साल एक जुलाई को एक झंडा थामे, मोटरसाइकिल पर सवार होकर पुलिस अधिकारियों के समूह में घुस गया था। झंडे पर लिखा था, ''हांगकांग को आजाद करो, यह हमारे समय की क्रांति है।'' चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने 2019 के मध्य में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश पर पिछले साल यह सुरक्षा कानून लागू किया था। आलोचकों ने बीजिंग पर उस स्वायत्तता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया जब 1997 में हांगकांग को वापस चीन को दे दिया गया और वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में उसकी स्थिति को खत्म कर दिया गया। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि वैध असहमति पर हमला करने के लिए सुरक्षा कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के एशिया-प्रशांत मामलों की क्षेत्रीय निदेशक यामिनी मिश्रा ने एक बयान में कहा कि तोंग की सजा ''अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए एक झटका'' है और सरकार के आलोचकों में यह कानून ''आतंक पैदा करने का एक हथकंडा'' है। अमेरिकी सरकार ने एक बयान में तोंग के मुकदमे के ''अन्यायपूर्ण नतीजे'' की आलोचना की और कहा कि सुरक्षा कानून का इस्तेमाल ''असहमति की आवाज को दबाने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में'' किया गया है।

पीओके चुनाव पर भारत की टिप्पणी से बौखलाया पाकिस्तान, भारतीय राजनयिक को किया तलब

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शुक्रवार को यहां भारतीय उच्चायोग के एक शीर्ष राजनयिक को तलब कर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर(पीओके) में हाल में संपन्न चुनावों पर भारत की टिप्पणियों को ''खारिज'' किया। विदेश मंत्रालय ने यहां बयान जारी कर कहा, ''भारत के प्रभारी राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब कर भारत के विरोध को खारिज किया गया और जम्मू-कश्मीर विवाद पर पाकिस्तान के स्पष्ट एवं सतत रूख के बारे में बताया गया।'' भारत ने पीओके में 25 जुलाई को हुए चुनावों को खारिज कर दिया जहां प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने जीत दर्ज की। भारत ने कहा कि ''बनावटी प्रक्रिया'' कुछ नहीं बल्कि पाकिस्तान द्वारा ''अपने अवैध कब्जे को छिपाने'' का प्रयास है। साथ ही भारत ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चुनावों पर कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि पाकिस्तान का ''इन भारतीय भूभागों पर कोई अधिकार नहीं है'' और अपने अवैध कब्जे के सभी भारतीय क्षेत्रों को उसे खाली कर देना चाहिए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच जम्मू-कश्मीर विवाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के एजेंडा में 1948 से ही है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिह्नित विवाद है। भारत सरकार द्वारा अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ अपने संबंधों को कमतर किया और व्यापार स्थगित कर दिया। भारत का कहना है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 से जुड़ा मुद्दा पूरी तरह देश का अंदरूनीमामला है।

तालिबान के हमलों को नाकाम करने में अफगानिस्तान सबसे खतरनाक दिन देख रहा

नई दिल्ली/काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में जारी हिंसा के बीच, देश ने एक महीने में सबसे खूनी दिन देखा, जब सुरक्षा बलों ने राजधानी के शहरों हेरात, हेलमंद, तखर और कंधार प्रांतों पर तालिबान के बड़े हमलों को नाकाम कर दिया। इसकी जानकारी मीडिया रिपोर्ट ने दी।

सबसे खूनी होने के अलावा, शुक्रवार पिछले एक महीने में अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों (एएनडीएसएफ) के लिए सबसे व्यस्त दिनों में से एक था। मीडिया रिपोटरें में कहा गया है कि तालिबान ने हेरात प्रांत में प्रवेश किया और इसी नाम की राजधानी शहर के अंदर अफगान सरकारी बलों की चौकियों पर हमले शुरू कर दिए। शहर के हवाई अड्डे और शहर में संयुक्त राष्ट्र के मुख्य परिसर पर रॉकेट चालित हथगोले और गोलियों से हमला किया गया। विश्व निकाय ने कहा कि, सरकार विरोधी तत्वों ने

रॉकेट से चलने वाले ग्रेनेड और गोलियों के साथ स्पष्ट रूप से चिह्नित संयुक्त राष्ट्र सुविधा के प्रवेश द्वारों को निशाना बनाया, जब तालिबान लड़ाके हेरात शहर में घुस गए और यूएनएएमए के प्रांतीय मुख्यालय के पास अफगान सुरक्षा बलों से भिड़ गए। इस हमले में एक अफगान सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई थी। इस बीच, गृह मंत्रालय ने कहा कि यूएनएएमए ने अभियान शुरू किया जिसके दौरान आतंकवादियों को पीछे धकेल दिया गया और गुजारा जिले पर फिर से कब्जा कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा है कि अमेरिकी सेना ने भी हेरात में अफगान सरकारी बलों के समर्थन में हवाई हमले किए। शुक्रवार को सुरक्षा अभियानों के दौरान 226 तालिबान विद्रोही मारे गए थे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कुनार, पक्तिया, मैदान वर्दक, कंधार, हेरात, जवज्जन, हेलमंद, बगलान और काबुल में मौतें हुई हैं। इन घटनाओं के दौरान, 130 अन्य तालिबान घायल हो गए और बड़ी संख्या में उनके हथियार नष्ट हो गए। पिछले 24 घंटों में, सुरक्षा बलों ने कई प्रांतों में असुरक्षित क्षेत्रों से 15 तालिबान-खानों का भी खुलासा किया है और उन्हें निष्क्रिय कर दिया है।

चीन ने अरूणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा दिखाने वाले नक्शे जब्त किए

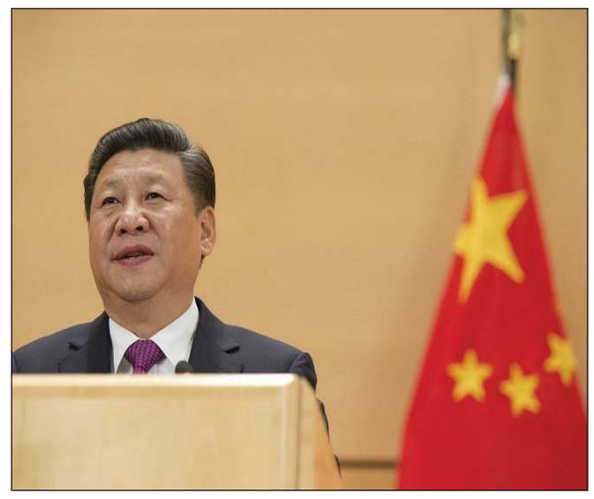

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन में सीमा शुल्क अधिकारियों ने अरूणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा दिखाने वाली विश्व नक्शे की एक बड़ी खेप जब्त की है। इन नक्शों को निर्यात किया जाना था। आधिकारिक मीडिया ने शुक्रवार को यह खबर दी। चीन, अरूणाचल प्रदेश के दक्षिण तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता है, जिसे भारत सिरे से खारिज करता आ रहा है। भारत का कहना है कि अरूणाचल प्रदेश इसका अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है।

चीनी समाचार पत्र द पेपर डॉट सीएन की खबर में कहा गया है कि ये नक्शे करीब 300 निर्यात खेप में 'बेडक्लोथ' के नाम से लपेट कर रखे गये थे, जिन्हें शंघाई पुदोंग हवाईअड्डा पर सीमा शुल्क विभाग ने जब्त कर लिया। गौरतलब है कि चीन ने 2019 में एक नया कानून पारित कर देश में छापे और बेचे जाने तथा निर्यात किये जाने वाले सभी नक्शों को चीनी नक्शे के आधिकारिक प्रारूप के अनुसार रखे जाने को अनिवार्य बना दिया था। आधिकारिक प्रारूप में अरूणाचल प्रदेश, ताईवान और दक्षिण चीन सागर पर चीन के दावे को प्रदर्शित किया गया है।

साउथ अफ्रीकी संसद अशांति की जांच स्थापित करना चाहती है

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका की संसद ने कहा कि उसकी समितियों की एक संयुक्त बैठक में पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा के कारावास के बाद इस महीने की शुरूआत में शुरू हुई हालिया अशांति की जांच स्थापित करने के अनुरोध को संदर्भित करने का संकल्प लिया गया है।

समाचार एजेंसी ने शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के हवाले से कहा कि अनुरोध आगे विचार और निर्णय के लिए संसद के पीठासीन अधिकारियों के पास भेजा जाएगा। बयान में कहा गया है कि बैठक का विचार था कि इस जांच की स्थापना हिंसा, अर्थव्यवस्था पर लूट के प्रभाव और अशांति के कारण जीवन के नुकसान के आलोक में महत्वपूर्ण है। संसदीय समितियों ने क्वाजुलु-नताल और गौतेंग प्रांतों का दौरा किया, जो अशांति के हॉटस्पॉट थे, जिसमें 337 लोगों के जीवन का दावा किया गया था, जबकि सड़कों को भी अवरुद्ध कर दिया गया था, संपत्तियों और वाहनों को क्षतिग्रस्त और जला दिया गया था। नेशनल असेंबली (एनए) के निचले सदन, थांडी मोडिसे ने अगस्त में फिर से संगठित होने पर जितनी जल्दी हो सके प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक दलों के लिए अशांति पर एक असाधारण विस्तारित बहस का प्रस्ताव दिया है। कभी रंगभेद के खिलाफ लड़ाई के लिए जाने जाने वाले जुमा को अदालत के आदेशों की अवहेलना करने के लिए एस्टकोर्ट सुधार केंद्र में 15 महीने की कैद हुई है। उन्होंने न्यायिक आयोग के सामने गवाही नहीं

दी जो 2009-2018 के बीच उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रहा था। इस बीच, हिंसक विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में 2,500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जो बाइडन ने भारतीय-अमेरिकी रशद हुसैन को धार्मिक स्वतंत्रता का राजदूत नियुक्त किया

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतवंशी अमेरिकी अटॉर्नी रशद हुसैन को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता का एंबेसडर-एट-लार्ज नामित किया है। किसी महत्वपूर्ण पद के लिए नामित वह पहले मुस्लिम हैं। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। एंबेसडर-एट-लार्ज ऐसा राजदूत होता है जिसे विशेष जिम्मेदारियां दी जाती है लेकिन वह किसी खास देश के लिए नियुक्त नहीं होता है। हुसैन (41) वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में सहयोग एवं वैश्विक भागीदारी के लिए निदेशक हैं। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''आज की यह घोषणा राष्ट्रपति की एक ऐसा प्रशासन बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसमें सभी धर्मों के लोगों का समावेश हो। हुसैन पहले मुस्लिम

हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के एंबेसडर-एट-लार्ज के तौर पर सेवा के लिए नामित किया गया है।'' हुसैन इससे पहले न्याय विभाग के राष्ट्रीय सुरक्षा खंड में वरिष्ठ वकील के तौर पर सेवा दे चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन में वह इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के लिए विशेष दूत, सामरिक आतंकवाद रोधी संचार के लिए अमेरिका के विशेष दूत तथा डिप्टी एसोसिएट व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर सेवा दे चुके हैं। दूत के रूप में अपनी भूमिकाओं में हुसैन ने बहुपक्षीय संगठनों जैसे ओआईसी और संयुक्त राष्ट्र, विदेशी सरकारों और नागरिक समाज संगठनों के साथ शिक्षा, उद्यमिता, स्वास्थ्य, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने के लिए काम किया।

यूएन सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालने को पूरी तरह से तैयार है भारत, 1 अगस्त से संभालेगा कार्यभार

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत एक अगस्त को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा और इस दौरान वह तीन प्रमुख क्षेत्रों समुद्री सुरक्षा, शांतिरक्षण और आतंकवाद को रोकने संबंधी विशेष कार्यक्रमों की मेजबानी करने के लिए तैयार है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने 15 राष्ट्रों के शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र निकाय की भारत द्वारा अध्यक्षता संभाले जाने की पूर्व संध्या पर एक वीडियो संदेश में कहा, 'हमारे लिए उसी माह में सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालना विशेष सम्मान की बात है जिस माह हम अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं।' भारत की अध्यक्षता का पहला कार्यकारी दिवस सोमवार, दो अगस्त को होगा जब तिरुमूर्ति महीने भर के लिए परिषद के कार्यक्रमों पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में मिश्रित संवाददाता सम्मेलन करेंगे यानी कुछ लोग वहां मौजूद होंगे जबकि अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़ सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक तिरुमूर्ति संयुक्त राष्ट्र के उन सदस्यों देशों को भी कार्य विवरण उपलब्ध कराएंगे जो परिषद के सदस्य नहीं हैं। सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर

भारत का दो साल का कार्यकाल एक जनवरी, 2021 को शुरू हुआ था। अगस्त की अध्यक्षता सुरक्षा परिषद के गैर स्थायी सदस्य के तौर पर 2021-22 कार्यकाल के लिए भारत की पहली अध्यक्षता होगी। भारत अपने दो साल के कार्यकाल के अंतिम माह यानी अगले साल दिसंबर में फिर से परिषद की अध्यक्षता करेगा। अपनी अध्यक्षता के दौरान, भारत तीन बड़े क्षेत्रों - समुद्री सुरक्षा, शांतिरक्षण और आतंकवाद रोकथाम के संबंध में तीन उच्च स्तरीय प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। वीडियो संदेश में, तिरुमूर्ति ने कहा कि समुद्री सुरक्षा भारत की उच्च प्राथमिकता है और 'सुरक्षा परिषद के लिए इस मुद्दे पर समग्र रूप से रुख अपनाना जरूरी है।'

उन्होंने कहा कि शांतिरक्षण का विषय 'शांतिरक्षा में हमारी अपनी लंबी और अग्रणी भागीदारी को देखते हुए दिल के करीब है'। साथ ही कहा कि भारत शांतिरक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के विषय पर ध्यान केंद्रित करेगा विशेषकर बेहतर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से,और उसका ध्यान इस बात पर भी रहेगा कि शांतिरक्षकों के खिलाफ अपराध करने वाले दोषियों को कानून के हवाले किया जाए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहने वाले देश के रूप में, भारत आतंकवाद को रोकने के प्रयासों पर लगातार बल देता रहेगा। तिरुमूर्ति ने कहा कि परिषद में भारत के पिछले सात महीनों के कार्यकाल में, हमने विभिन्न मुद्दों पर एक सैद्धांतिक और दूरंदेशी रुख अपनाया है। हम जिम्मेदारियों को निभाने से नहीं डरते। हम सक्रिय रहे हैं। हमने अपनी प्राथमिकता वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है। राजदूत ने कहा, 'हमने परिषद के भीतर विभिन्न विचारों के बीच अंतर को पाटने के प्रयास किए हैं ताकि सुनिश्चित हो सके कि परिषद आज के कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर साथ रहे और एक सुर में बात करे। हमारी अध्यक्षता में हम यही करने की कोशिश करेंगे।

घर में घुसकर हैती के राष्ट्रपति की हत्या करने वाले मामले में एक और की हुई गिरफ्तारी!

पोर्ट-ऑ-प्रिंस। (एजेंसी)।

हैती के राष्ट्रपति जोवेनेल मोइसे की हत्या मामले में पुलिस ने शुक्रवार को एक और अधिकारी को गिरफ्तार किया है। राष्ट्रीय पुलिस की प्रवक्ता मारी मिशेल वेरियर ने बताया कि सात जुलाई को राष्ट्रपति के आवास पर हुए हमला मामले में अब तक 27 लोगों की गिरफ्तारी हुई है और इस संबंध में अभी और लोगों को पकड़ा जाना बाकी है। अन्य नौ अधिकारियों को पूछताछ के लिए अलग-थलग रखा गया है। घटना में भूमिका के संदेह में अब तक करीब 44 लोगों से पूछताछ हुई है। अधिकारियों ने आम लोगों से भी मदद की अपील की है।

वेरियर ने कहा, ''आप सभी से अनुरोध है कि पुलिस जिन अपराधियों की तलाश कर रही है, उन्हें ढूंढने में हमारी मदद करें। अपनी भागीदारी दिखाएं और उन लोगों को तलाशने में हमारी मदद करें।'' उन्होंने यह भी कहा कि संदिग्धों को पकड़ने में सुराग देने वालों को ''बड़ा'' इनाम दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने इनाम की राशि की घोषणा नहीं की। हैती पुलिस ने राष्ट्रपति मोइसे के सामान्य सुरक्षा समन्वयक रहे जीन लागुएल सिविल को सोमवार को गिरफ्तार किया था। पुलिस मामले में अब भी कई संदिग्धों की तलाश कर रही है जिसमें एक पूर्व विरोधी नेता और पूर्व सांसद शामिल है। सोमवार को अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश विंडेल कॉक थेलोट भी संदिग्ध हैं। हालांकि अब भी यह स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रपति की हत्या की साजिश किसने रची।

पाकिस्तान: हिंदू रीति रिवाज के साथ व्यक्ति ने बकरी के साथ लिए सात फेरे, सोशल मीडिया पर मचा बवाल

लखनऊ। (एजेंसी)।

पाकिस्तान से एक बड़ी ही हैरान करने वाली खबर सामने आई है। आपको बता दें कि पाकिस्तान के सिंध के मीरपुरखास जिले के डिगरी शहर में भील समुदाय के एक शख्स ने लड़की से नहीं बल्कि एक बकरी से शादी रचाई है।पाकिस्तानी न्यूज चैनल एआरवाई न्यूज के मुताबिक, इस शख्स ने एक बकरी से शादी की है जिसकी तस्वीरें देख कर आप भी काफी चौंक जाएंगे। हिंदू युवक की शादी की तस्वीरे और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस के मुताबिक, इस युवक ने हिंदू रीति रिवाज से बकरी के साथ सात फेरे भी लिए है। इस शादी में शख्स का परिवार भी मौजूद था। पुलिस ने बताया कि, इस शादी का इंतजाम करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार हो गया है।

जानकारी के लिए बता दें कि बकरी और जानवरों से शादी करने का यह मामला पहला नहीं

है। ऐसा ही एक मामला बार्जील से भी देखने को मिली थी जिसमें एक बुजुर्ग शख्स ने बकरी से शादी करने का दावा किया था और कहा था कि उसने बकरी से शादी किसी कारण से किया था। वहीं भारत के उत्तराखंड के धनोल्टी में भी बकरियों से शादी करने के लिए बकरी का स्वयंवर आयोजित किया जाता था और पूरे रिति रिवाजों के साथ बकरियों के साथ शादी करने का दावा किया गया था।

क्या है पाकिस्तान की नई चाल ? रावलाकोट की बंद पड़ी हवाई पट्टी की क्यों करा रहा मरम्मत ?

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

लगातार भारत में घुसपैठ की कोशिशें कराने वाला पाकिस्तान अब नई योजना तैयार कर रहा है। इस बार पाकिस्तान ड्रोन या कहें हथियार बंद यूएवी के लिए रनवे तैयार कर रहा है। लेकिन इसका इस्तेमाल किसके खिलाफ किया जाएगा इसके बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान 4 साल से बंद पड़ी हवाई पट्टी को दुरुस्त कराने में जुटा हुआ है। खास बात तो यह है कि इस हवाई पट्टी के आसपास किसी आम नागरिकों को जाने की अनुमति नहीं है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान रावलाकोट में बंद पड़ी हवाई पट्टी की मरम्मत करा रहा है। ताकि इसका इस्तेमाल किया जा सके। एक हिन्दी समाचार पत्र में छपी रिपोर्ट के मुताबिक रावलाकोट में ठोस सतह वाली हवाई पट्टी है। जो करीब 3000 फुट लंबी और 80 फुट चौड़ी है। दिलचस्प बात तो यह है कि रावलाकोट की हवाई पट्टी ड्रोन इस्तेमाल के लिए एक दम परफेक्ट है।

बुराक यूएवी का होगा इस्तेमाल !

रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से बताया गया कि पाकिस्तानी सेना के एक अधिकारी ने अप्रैल माह में रावलाकोट हवाई पट्टी का निरीक्षण किया था और इसे ऑपरेशनल बनाने के निर्देश दिए थे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान रावलाकोट हवाई पट्टी का इस्तेमाल हथियार बंद ड्रोन के लिए करने वाला है। पाकिस्तान के पास बुराक यूएवी है। जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान की एयरफोर्स और सेना दोनों ही करती हैं।

पाकिस्तान में निर्मित बुराक यूएवी का इस्तेमाल पहली बार साल 2015 में आतंकियों के खिलाफ किया गया था। इन दिनों पाकिस्तान अपना पूरा ध्यान ड्रोन की तरफ केंद्रित कर रहा है। हालांकि ड्रोन हमले के बढ़ते अंदेशों को देखते हुए दुनिया के तमाम देश एंटी ड्रोन सिस्टम पर अपना ध्यान केंद्रित करने को मजबूर हो गए है।

आपको याद हो तो 27 जून को जम्मू में

इंडियन एयरफोर्स स्टेशन में भी ड्रोन हमले हुए थे। इस हमले में दो ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। जिसकी अभी जांच चल रही है। इस हमले के बाद अचानक से जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में ड्रोन देखे जाने की खबरें आना शुरू हो गई थी। यहां तक की सुरक्षा एजेंसियों ने कुछ ड्रोनों को निशाना बनाकर तबाह भी कर दिया था। ऐसे में ड्रोन के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से सुरक्षा एजेंसियों की परेशानियां बढ़ गई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

400 स्कूल करेंगे पुलिस में शिकायत, फर्जी दाखिले के मामले में डीईओ ने लिखित कार्रवाई नहीं की तो

क्रांति समय दैनिक

डीईओ फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अपने बच्चों को कक्षा-१ में प्रवेश देने वाले अभिभावकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करता है तो अब स्कूल प्रशासक इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे। दरअसल, शहर के ४०० निजी स्कूलों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम बढ़ाया है कि गरीब और जरूरतमंद बच्चे आरटीई प्रवेश से वंचित न रहें।

शहर के स्वशासी स्कूल बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. दीपक राज्यगुरु ने कहा कि कई सक्षम माता-पिता ने अपने बच्चों को उसी स्कूल में आरटीई में कक्षा -१ में नामांकित किया है जहां उन्होंने अपने बच्चों को नर्सरी, सीनियर केजी या जूनियर केजी में पढ़ाया था। अगर किसी माता-पिता

को झूठे सबूत पेश करके आरटीई में भर्ती कराया गया है, तो उन्होंने दो तरह के अपराध किए हैं। पहला अपराध यह है कि उसने झूठे सबूत पेश किए हैं, जिससे अभिभावक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है। और दूसरा अपराध उस बच्चे की जगह लेना है जो वास्तव में आरटीई में प्रवेश के लिए योग्य है। कई सक्षम अभिभावकों ने किसी के कहने पर झूठे कागजात जमा कर आरटीई में प्रवेश ले लिया है।

ऐसे अभिभावकों के पास अभी भी अपना प्रवेश स्वयं रद्द करने का समय है। नहीं तो ऐसे अभिभावक स्कूलों की जांच कमेटी में पकड़े गए तो जुर्माना या सजा हो सकती है। शहर के गरीब और जरूरतमंद बच्चों को वंचित करने का अधिकार किसी को नहीं है।

राज्य में फिर बढ़े कोरोना के मामले,24 घंटों में 27 केस, 35 लोग डिस्चार्ज

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,राज्य में कोरोना के मामले फिर बढ़ गए हैं। शुक्रवार को राज्य में कोरोना के 21 नए केस सामने आए थे और शनिवार को 27 नए मामले दर्ज हुए हैं। कोरोना से आज राज्य में कोई मौत नहीं हुआ। शनिवार को 35 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य में रिकवरी रेट 98.75 प्रतिशत पर पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक कोरोना

संक्रमिज अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सामने आए। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 9, सूरत कॉर्पोरेशन और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2-2, अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, भरुच, गांधीनगर, गांधीनगर कॉर्पोरेशन, जामनगर कॉर्पोरेशन, जूनागढ़, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन, कच्छ, नर्मदा, पंचमहल, राजकोट और वडोदरा में 1-1 समेत राज्यभर में कुल 27 कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए। जबकि अरवल्ली, बनासकांठा, बनासकांठा, भावनगर, भावनगर कॉर्पोरेशन, बोटाद, छोटाउदेपुर, दाहोद, डांग, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, जामनगर, खेडा, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नवसारी, पाटन, पोरबंदर, राजकोट कॉर्पोरेशन, साबरकांठा, सूरत, सुरेन्द्रनगर, तापी और वलसाड समेत 2 महानगर और 22 जिलों में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में सामने नहीं आया। शनिवार को राज्य में कोरोना से एक भी मरीज की मौत नहीं हुई। कोरोना अब तक 10076 मरीजों को निगल चुका है। राज्य में कोरोना के 252 सक्रिय मरीजों में 246 स्टेबल हैं और 6 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। अब तक कुल 814549 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। शनिवार को 308647 लोगों को टीका लगाने के साथ राज्य में वैक्सीन लगवाने वालों की संख्या 33266850 पर पहुंच गई है। प्रति मिलियन टीकाकरण में गुजरात देशभर में सबसे आगे है। जुलाई महीने में सबसे ज्यादा 7506756 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया।

सोमवार से राज्य के कई जिलों में भारी बारिश का अनुमान

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,पिछले कई दिनों से राज्य में बरसाती माहौल बरकरार है, हांलाकि बारिश का जोर घटा है। लेकिन सोमवार से फिर एक बार राज्य के कई जिलों में भारी बारिश का मौसम विभाग का अनुमान है। खासकर 5 से 8 अगस्त के दौरान राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 2 अगस्त को साबरकांठा, अरवल्ली और महीसागर में भारी बारिश होने की संभावना है। 3 अगस्त को साबरकांठा, अरवल्ली और मेहसाणा भारी बारिश हो सकती है। जबकि मध्य और दक्षिण गुजरात समेत सौराष्ट्र में मध्यम बारिश का अनुमान है। 5 से 8 अगस्त के बीच उत्तर और मध्य गुजरात के कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक गिर सोमनाथ, नवसारी, पोरबंदर, वलसाड, अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत, वडोदरा, राजकोट के साथ ही दमन, दीव और दादरा नगर हवेली में भी अच्छी बारिश होगी। राज्य में अब तक मौसम की 34 फीसदी से अधिक बारिश हो चुकी है। जिसमें सबसे अधिक दक्षिण गुजरात के वलसाड में 33.70 प्रतिशत बारिश दर्ज हुई है। दक्षिण गुजरात में मौसम की 35.19 प्रतिशत, कच्छ में 30.25 प्रतिशत, उत्तर गुजरात में 28.16 प्रतिशत, पूर्व-मध्य गुजरात में 30.08 प्रतिशत और सौराष्ट्र में 31.89 प्रतिशत बारिश हुई है।

सार-समाचार

मामूली बात को लेकर पुत्र ने पिता की हत्या कर दी

राजकोट,के रैया गाम में मामूली बात को लेकर एक पुत्र द्वारा अपने पिता की हत्या करने की घटना सामने आई है। राजकोट की यूनिवर्सिटी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के रैया गाम क्षेत्र में रहनेवाले इमरान तायाणी अपनी पत्नी के साथ जामनगर में एक शादी समारोह में जा रहा था। इमरान के पिता फिरोज तायाणी भी शादी में जामनगर जाना चाहते थे। लेकिन इमरान अपने पिता को नहीं ले जाना चाहता था। जिसे लेकर पिता-पुत्र के बीच कहासुनी हुई और उस दौरान आवेश में आकर इमरान ने ठोस पदार्थ से प्रहार कर दिया। गंभीर रूप से घायल फिरोज तायाणी को राजकोट के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही राजकोट की यूनिवर्सिटी पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और आरोपी इमरान को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी।

तीन महीने पहले बनी सड़क की कंकरीट भी भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं कर पाई: मोढवाडिया

अहमदाबाद,गुजरात प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने आज शहर के जशोदानगर से रिंग रोड को जोड़ती सड़क का एक वीडियो ट्वीटर किया। तीन महीने पहले बनीं सड़क की कंकरीट उखड़ गई है, जगह जगह गड्ढे हो गए हैं जिससे वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मोढवाडिया ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण में भारी भ्रष्टाचार हुआ है और इसका खामियाजा सड़क पर चलने वाले लोगों को भुगतना पड़ता है। मोढवाडिया

ने तीन महीने पहले बनी इस सड़क का वीडियो ट्वीटर किया है। जिसमें मोढवाडिया ने लिखा 'अहमदाबाद के जशोदानगर के रिंग रोड से जोड़ती 6 लेन हाईवे जरा ध्यान से देखिए। यह हाईवे तीन महीने पहले ही बना है। कंकरीट से भी भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं हुआ और वह उखड़कर बाहर आ गई। टूटी-फूटी सड़क पर चलने वाले लोगों को भ्रष्टाचार का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।' गौरतलब है कि बारिश के कारण अहमदाबाद की कई सड़कें गड्ढों तब्दील हो चुकी हैं

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

झारखंड: न्यायाधीश की मौत के विरोध में वकीलों ने किया कार्य बहिष्कार, जताया गुस्सा

रांची/धनबाद। झारखंड के धनबाद में न्यायाधीश उत्तम आनंद की एक वाहन से कथित तौर पर कुचलने से मौत के मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों को पांच दिन की हिरासत में भेजे जाने के बीच शुक्रवार को वकीलों ने इस घटना के विरोध में राज्यभर में कार्य बहिष्कार किया। वकीलों ने पूर्व में एक वकील की हत्या को लेकर भी अपना गुस्सा जताया। राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताते हुए 30,000 से अधिक वकीलों ने राज्य में अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने की मांग की। वहीं, उच्चतम न्यायालय ने धनबाद में एक न्यायाधीश की 28 जुलाई की सुबह में एक वाहन से कथित तौर पर कुचलने की ''वीभत्स घटना में दुखद मौत'' पर शुक्रवार को स्वत- संज्ञान लिया और मामले की जांच की प्रगति के बारे में झारखंड के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से एक हफ्ते के भीतर स्थिति रिपोर्ट मांगी। इस बीच, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार धनबाद के न्यायाधीश उत्तम आनंद की मौत के मामले की जांच को लेकर गंभीर है और उनके परिवार को न्याय दिलाया जाएगा। न्यायाधीश के परिवार के सदस्यों ने सोरेन से मुलाकात की थी।

नाटक में कर रहा था भगत सिंह का रोल, गले में फांसी का फंदा कसने से हुई बच्चे की मौत

बदायूं (उप्र)। बदायूं जिले के कुंवर गांव थाना क्षेत्र के एक गांव में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के लिए भगत सिंह की फांसी के दृश्य का पूर्वाभ्यास करते समय दस साल के एक बच्चे की कथित तौर पर फांसी का फंदा कसने से मौत हो गई। बदायूं के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने बताया कि मामला जब उनके संज्ञान में आया तो उन्होंने शुक्रवार को कुंवर गांव के थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम गांव भेजी, लेकिन परिवार वालों ने इस बात की कोई जानकारी नहीं दी कि लड़के की मौत कैसे हुई। गांव के कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि नाटक का पूर्वाभ्यास करते समय बच्चा स्टूल से फिसल गया और फांसी का फंदा कस जाने से उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम जांच में कर रही है और जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों के मुताबिक बाबट ग्राम निवासी भूरे सिंह का 10 वर्षीय पुत्र शिवम मोहल्ले के अन्य बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में प्रदर्शित होने वाले भगत सिंह नाटक की तैयारी कर रहा था। फांसी के दृश्य के पूर्वाभ्यास के दौरान शिवम स्टूल से फिसल गया और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद अन्य बच्चे घबरा गए और शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा शिवम को फंदे से नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बाद में परिजनों ने बिना पुलिस को बताए ही अंतिम उसका संस्कार कर दिया। ग्राम प्रधान भीमसेन सागर के अनुसार, ''बच्चे खेल खेल रहे थे और घटना के समय शिवम के माता-पिता घर पर नहीं थे। खेल खेल में ही शिवम फांसी के फंदे का शिकार हो गया और उसकी मौत हो गई।

छत्तीसगढ़ में योजनाबद्ध तरीके से कराया जा रहा धर्मान्तरण ! भाजपा सांसद अरुण साव ने संसद में उठाया मुद्दा

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से भाजपा सांसद अरुण साव लगातार जनता के बीच सक्रिय रहते हैं। इसके साथ ही वह कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के कामकाज पर लगातार सवाल उठाते हैं। इन सब के बीच संसद सत्र के दौरान अरुण साव ने एक ऐसा मुद्दा उठाया जो आने वाले दिनों में छत्तीसगढ़ सरकार के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है। बिलासपुर सांसद अरुण साव ने लोकसभा में छत्तीसगढ़ में योजनाबद्ध तरीके से चल रही मतांतरण, धर्मांतरण की गतिविधियों का मामला उठाया और केंद्र सरकार से इस पर रोक लगाने की मांग की। सांसद अरुण साव ने लोकसभा में नियम 377 के तहत राज्य में हो रहे मतांतरण/धर्मान्तरण का मुद्दा उठाया। अरुण साव ने लोकसभा में कहा कि छत्तीसगढ़ अत्यंत भोले- भाले, सहज, सरल लोगों का प्रदेश है। जिसे अलग राज्य का दर्जा 01/11/2000 को प्राप्त हुआ है। यह प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है। राज्य के बस्तर और सरगुजा संभाग में आदिवासी समुदाय के लोग बहुतायत में रहते हैं। छत्तीसगढ़ के भोले-भाले सहज, सरल लोगों को प्रलोभन आदि के माध्यम से मतांतरित /धर्मान्तरित करने का योजनाबद्ध अभियान चलाया जा रहा है। सांसद साव ने केंद्र सरकार से छत्तीसगढ़ राज्य में तेजी से हो रहे मतांतरण/धर्मान्तरण की गतिविधियों को संज्ञान में लेकर इस पर रोक लगाने की मांग की ।

देश में कोरोना वायरस के 41,649 नए मामले, 24 घंटे में 593 लोगों की जान गई

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 41,649 नए मामले सामने आने से शनिवार को संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,16,13,993 हो गयी जबकि 593 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 4,23,810 हो गयी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना वायरस के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार चौथे दिन वृद्धि हुई है। इस बीमारी का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या बढ़कर 4,08,920 हो गयी है जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.29 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 97.37 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों में 3,765 की वृद्धि हुई है। दैनिक संक्रमण दर 2.34 प्रतिशत दर्ज की गयी। साप्ताहिक संक्रमण दर 2.42 प्रतिशत दर्ज की गयी। मंत्रालय ने बताया कि इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,07,81,263 हो गयी है जबकि मृत्यु दर 1.34 प्रतिशत है।

75 वर्षों में भारत ने बेहतर पुलिस सेवा के निर्माण का प्रयास किया : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईपीएस प्रोबेशनर्स को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि इस साल की 15 अगस्त की तारीख, अपने साथ आजादी की 75वीं वर्षगांठ लेकर आ रही है। बीते 75 सालों में भारत ने एक बेहतर पुलिस सेवा के निर्माण का प्रयास किया है। पुलिस ट्रेनिंग से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्र र में भी हाल के वर्षों में बहुत सुधार हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईपीएस प्रोबेशनर्स से संवाद करते हुए कहा, 1930 से 1947 के बीच देश में जो ज्वार उठा, जिस तरह देश के युवा आगे बढ़कर आए, एक लक्ष्य के लिए एकजुट होकर पूरी युवा पीढ़ी जुट गई, आज वही मनोभाव आपके भीतर अपेक्षित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उस समय देश के लोग स्वराज्य के लिए लड़े थे। आज आपको सुराज्य के लिए आगे बढ़ना है। आप एक ऐसे समय पर करियर शुरू कर रहे हैं, जब भारत हर क्षेत्र, हर स्तर पर ट्रांसफार्मेशन के दौर से गुजर रहा है। आपके करियर के आने वाले 25 साल, भारत के विकास के भी सबसे अहम 25 साल होने वाले हैं। इसलिए आपकी तैयारी, आपकी मनोदशा, इसी बड़े लक्ष्य के अनुकूल होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा, आपको हमेशा ये याद रखना है कि आप एक भारत, श्रेष्ठ भारत के भी ध्वजवाहक है। इसलिए, आपके हर एक्शन, आपकी हर गतिविधि में नेशन फर्स्ट, ऑलवेज फर्स्ट- राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम की भावना रिफ्लेक्ट होनी चाहिए। आपकी सेवाएं देश के अलग-अलग जिलों में होगी, शहरों में होगी। इसलिए आपको एक मंत्र याद रखना है। फील्ड में रहते हुए आप जो भी फैसले लें, उसमें देशहित होना चाहिए, राष्ट्रीय परिपेक्ष्य होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में हमारे पुलिसकर्मियों ने, देशवासियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया है। इस प्रयास में कई पुलिस कर्मियों को अपने प्राणों ही आहूति तक देनी पड़ी है। मैं उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं और देश की तरफ से उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि भूटान हो, नेपाल हो, मालदीव हो, मॉरीशस हो, हम सभी सिर्फ पड़ोसी ही नहीं हैं, बल्कि हमारी सोच और सामाजिक तानेबाने में भी बहुत समानता है। हम सभी सुख-दुख के साथी हैं। जब भी कोई आपदा आती है, विपत्ति आती है, तो सबसे पहले हम ही एक दूसरे की मदद करते हैं।

हिमाचल प्रदेश में आई तबाही पर बोले कांग्रेस नेता, इसे रोका जा सकता था

धर्मशाला। (एजेंसी)।

केंद्र सरकार के अधीन महाराष्ट्र स्थित सैंट्रल वाटर एवं पावर रिसर्च स्टेशन ने धर्मशाला की मांझी, मनूणी एवं चरान आदि खड्डों के चैनलाईजेशन की डी.पी.आर. को मंजूरी दे दी होती तो आज यह तवाही नहीं होती। कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव सुधीर शर्मा ने यह बात कही। उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग भी की है कि उक्त डी.पी.आर. को रिवाईज कर के एक बार पुन- मंजूदी के लिए भेजा जाए और इस परियोजना का कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि धर्मशाला के अंतर्गत मांझी खड्ड में आए भारी एवं तेज जल प्रवाह से हुई तवाही को समय रहते रोका जा सकता था। मांझी खड्ड की चपेट में आने से दर्जनों परिवार प्रवाहित हुए हैं, साथ ही पुलों, पेयजल परियोजनाओं सहित करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि उनकेमंत्री रहते मांझी, चरान और मनूणी खड्ड सहित अन्य खड्डों का चैनलाईजेशन करने की योजना बनाई गई थी, जिसके तहत संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं एक्सपर्टस की देखरेख में एक डी.पी.आर. बना कर केंद्र सरकार के अधीन सैंट्रल वाटर एवं पावर रिसर्च स्टेशन महाराष्ट्र के निदेशक को प्रेषित की गई थी। वर्ष 2015-16 में तैयार की गई डी.पी.आर. 95.34 करोड़ रुपए की थी जिसे अंतिम मंजूरी नहीं दी गई। सुधीर शर्मा ने कहा कि उक्त खड्डों के किनारे निवास कर रहे परिवारों के भविष्य को देखते हुए इस योजना पर कार्य किया गया था, धर्मशाला में यह पहला मौका नहीं था जब बरसात के मौसम में तेज जल प्रवाह के कारण नुकसान हुआ हो।

सीमा विवाद पर बोले राहुल गांधी, दंगों को बीज की तरह बोने का परिणाम भयानक होगा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने असम और मिजोरम की सीमा पर पिछले दिनों हुई हिंसा को लेकर शनिवार को दावा किया कि विवादों और दंगों को इस पवित्र भूमि में बीज की तरह बोया जा रहा है जिसका परिणाम भयानक होगा। उन्होंने ट्वीट किया, ''ना राष्ट्रीय सीमा सुरक्षित, ना राज्य सीमा। विवादों व दंगों को हमारे देश की पवित्र भूमि में बीज की तरह बोया जा रहा है- इसका परिणाम भयानक है और होगा।''

गत सोमवार को असम और मिजोरम पुलिस बलों के बीच खूनी संघर्ष हुआ था, जिसमें असम पुलिस के पांच कर्मी और एक निवासी की मौत हो गई थी जबकि 50 से अधिक अन्य घायल हो गए थे। मिजोरम पुलिस ने इस हिंसा के मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा, राज्य पुलिस के चार वरिष्ठ अधिकारियों और दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए हैं।

ओवैसी ने योगी आदित्यनाथ पर साधा निशाना, कहा- यूपी में 4 लाख तीव्र कुपोषित हैं बच्चे, डॉक्टरों के हजारों पद खाली

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी है। ऐसे में एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी भी उत्तर प्रदेश को फतह करने का सपना देख रहे हैं। इसी बीच उन्होंने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 4 लाख तीव्र कुपोषित बच्चे हैं। हजारों में डॉक्टरों के पद खाली हैं।

समाचार एजेंसी के मुताबिक असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि प्रदेश में 4 लाख तीव्र कुपोषित बच्चे हैं। हजारों में डॉक्टरों के पद खाली हैं। पब्लिक हेल्थ सेंटर और कम्युनिटी हेल्थ सेंटर बंद पड़े हैं। एक-एक चीज़ का जवाब (योगी आदित्यनाथ) दें। इसी बीच उन्होंने असम-मिजोरम सीमा विवाद को लेकर केंद्र सरकार को घेरने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह के जाने के बाद असम और मिज़ोरम की पुलिस पर फायरिंग होती है। ये सरासर बीजेपी की नाकामी है।

गौरतलब है कि सरकार ने गुरुवार को कहा था कि देश में छह माह से छह साल की उम्र के 9 लाख से अधिक अत्यंत कुपोषित बच्चों की पहचान की गई है जिनमें से 3,98,359 बच्चे उत्तर प्रदेश के हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि देशभर में 9,27,606 ऐसे बच्चों की पहचान की गई है जो अत्यंत कुपोषित हैं और जिनकी उम्र छह माह से छह साल के बीच है।

उपराष्ट्रपति ने न्यायपालिका को मातृभाषा बोलने वालों के लिए सुलभ बनाने का आह्वान किया

हैदराबाद (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने न्यायपालिका को मातृभाषा बोलने वालों के लिए सुलभ बनाने की आवश्यकता को लेकर आह्वान किया है।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एन. वी. रमना की हालिया पहल के साथ, एक महिला को अदालत में तेलुगु में बोलने की अनुमति देने का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस घटना ने लोगों को अपनी समस्याओं को अपनी मातृभाषा में व्यक्त करने और क्षेत्रीय भाषाओं में निर्णय देने की अनुमति देने के लिए न्यायपालिका की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

शनिवार को मातृभाषाओं के संरक्षण पर तेलुगु कूटमी द्वारा आयोजित एक वर्चुअल कॉन्फ्रेंस (आभासी सम्मेलन) को संबोधित करते हुए, नायडू ने आगाह किया कि मातृभाषा के नुकसान से अंततः आत्म-पहचान और आत्म-सम्मान का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि हमारी विरासत के विभिन्न पहलुओं - संगीत, नृत्य, नाटक, रीति-रिवाजों, त्योहारों, पारंपरिक ज्ञान - को सरंक्षित करना केवल अपनी मातृभाषा को संरक्षित करके ही संभव होगा।

नायडू ने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और कायाकल्प के लिए अभिनव और सहयोगात्मक प्रयासों का आह्वान किया। इस बात पर जोर देते हुए कि भाषाओं को संरक्षित करना और उनकी निरंतरता सुनिश्चित करना केवल जन आंदोलन के माध्यम से ही संभव है, उन्होंने कहा कि हमारी भाषा की विरासत को हमारी भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के प्रयासों में लोगों को एक स्वर में एक साथ आना चाहिए।

मातृभाषा के संरक्षण में दुनिया में विभिन्न सर्वोत्तम प्रथाओं का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने भाषा के प्रति उत्साही, भाषाविदों, शिक्षकों, अभिभावकों और मीडिया से ऐसे देशों से अंतर्दृष्टि लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फ्रांस, जर्मनी और जापान जैसे देशों ने इंजीनियरिंग, चिकित्सा और कानून जैसे विभिन्न उन्नत विषयों में अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हुए, हर क्षेत्र में अंग्रेजी बोलने वाले देशों की तुलना में खुद को मजबूत साबित किया है। उन्होंने व्यापक

पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली में सुधार करने का भी सुझाव दिया।

भारतीय भाषाओं को संरक्षित करने के लिए आवश्यक विभिन्न लोगों द्वारा संचालित पहलों को छूते हुए, उपराष्ट्रपति ने एक भाषा को समृद्ध बनाने में अनुवाद की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय भाषाओं में अनुवादों की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार के लिए प्रयास बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने प्लेन (सीधा एवं स्पष्ट), बोली जाने वाली भाषाओं में प्राचीन साहित्य को युवाओं के लिए अधिक सुलभ और संबंधित बनाने का भी प्रस्ताव रखा।

दिल्ली गेट पर राकेश टिकैत करते रहे इंतजार, बिना मिले ही बंगाल लौट गईं ममता बनर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पांच दिवसीय दिल्ली दौरे पर थीं। अपने दिल्ली दौरे के दौरान ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। इसके अलावा ममता बनर्जी ने विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं से भी मिलीं। ममता बनर्जी अपने दिल्ली दौरे के दौरान विपक्ष की एकजुटता को मजबूत करने में जुटी रहीं। वह भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुखर आलोचकों में से एक हैं। यह भी माना जा रहा था कि ममता बनर्जी किसान और किसान नेताओं से मिलने के लिए दिल्ली के अलग-अलग बॉर्डर पर जा सकती हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली गेट पर राकेश टिकैत और कई किसान नेता ममता बनर्जी का इंतजार कर रहे थे। पहले खबर भी आई कि ममता बनर्जी उनसे मिलने जाएंगी। लेकिन ममता बनर्जी उनसे मिलने नहीं जा पाईं। इसके पीछे का कारण क्या रहा यह तो नहीं पता लेकिन ममता बनर्जी से मुलाकात नहीं होने पर राकेश टिकैत को निराशा ही हाथ लगी। हालांकि दिल्ली गेट पर राकेश टिकैत ममता बनर्जी का इंतजार कर रहे थे। जब राकेश टिकैत से ममता बनर्जी नहीं मिली तो अपनी सफाई में उन्होंने कहा कि मीडिया कर्मियों से उनके यहां आने की सूचना मिली थी। हमारी ओर से कोई न्योता नहीं था।

दूसरी ओर सूत्र यह दावा कर रहे हैं कि ममता बनर्जी किसान नेताओं से मिलने की इच्छुक नहीं थीं और ना ही उनके कार्यक्रम में ऐसा कोई प्लान था। आपको बता दें कि ममता बनर्जी की जीत के बाद राकेश टिकैत और कई किसान नेता बंगाल जाकर ममता बनर्जी से मुलाकात कर चुके हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल चुनाव में कई किसान नेताओं ने ममता बनर्जी के पक्ष में प्रचार भी किया था। अलग-अलग समय पर किसान नेताओं से ममता बनर्जी फोन पर बात करती रहती हैं। लेकिन इस बार दिल्ली आने के बावजूद भी ममता बनर्जी किसानों और उनके नेताओं से मिलने नहीं पहुंचीं।

सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार और नफरत फैला रहे भाजपा के ई-रावण: अखिलेश यादव

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर राजनीतिक फायदे के लिए साजिश रचने और सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने का आरोप लगाते हुए शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं को ई-रावण का नाम दिया और कहा कि इनसे निपटने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को सतर्क कर दिया है।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पीटीआई- से एक साक्षात्कार में कहा कि भाजपा अपने प्रचार और नफरत फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर 'ई-रावण' की भूमिका में आ गई है और वह रावण की तरह ही भेष बदलकर सोशल मीडिया पर अफवाह और झूठ फैला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के नेता छद्म रूप में सपा समर्थक बनकर सोशल मीडिया पर आते हैं और सपा के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट करते हैं।

यादव ने कहा कि मैंने अपनी पार्टी के कैडर से ऐसे छद्म लोगों से सावधान रहने और सोशल प्लेटफार्म पर उनकी गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए कहा है। उन्हें कुछ भी साझा करने, जवाब देने की जरूरत नहीं है बल्कि संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों के बारे में पार्टी कार्यालय को रिपोर्ट करने को कहा गया है। सपा को निशाना बनाकर झूठी सूचना फैलाने वालों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए पार्टी ने पिछले हफ्ते कार्रवाई भी की। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के कथित फर्जी ट्विटर अकाउंट बनाकर घृणा फैलाने के मामले में सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम ने अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई और ट्वीट के स्क्रीन शॉट्स भी दिये जिसमें दावा किया गया था कि राज्य में सपा के सत्ता में आने के बाद अयोध्या में राम मंदिर के स्थान पर बाबरी मस्जिद का निर्माण किया जाएगा। इस मामले में 25 जुलाई को राजधानी के गौतमपल्ली थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अखिलेश यादव ने एक सवाल के जवाब में कहा, ÷2022 के चुनाव नजदीक हैं और भाजपा के लोग कुछ भी कर सकते हैं क्योंकि वे सत्ता हथियाने के लिए झूठ बोलने और लोगों को बेवकूफ बनाने में माहिर हैं। उनका उद्देश्य विकास सहित मुख्य मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाना है।

अखिलेश ने कहा, हमने अपने कार्यकर्ताओं को अनुशासित, सभ्य और सोशल मीडिया में इस्तेमाल की जाने वाली में संयम बरतने के लिए कहा है, जो संवाद और विचार व्यक्त करने के लिए एक मजबूत माध्यम के रूप में उभरा है। दुर्भाग्य से भाजपा इसका दुरुपयोग कर रही है। यादव ने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार के साढ़े चार साल बीत चुके हैं और विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने बचे हैं, लेकिन विडंबना यह है कि भाजपा के पास अपनी उपलब्धि गिनाने के लिए एक भी काम नहीं है। सपा से ही राज्य के लोगों को उम्मीद बताते हुए उन्होंने दावा किया कि पार्टी 2022 के विधानसभा चुनावों में 350 सीटें जीतेगी। यादव ने कहा, ÷जब

भाजपा झूठ बोलकर 300 से अधिक सीटें जीत सकती है, तो हम अपनी सरकार में किए गए विकास कार्यों के मुद्दे पर अधिक सीटें क्यों नहीं जीत सकते?' उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा शासन में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है और महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा पूरे देश ने देखा है कि पंचायत चुनाव के नामांकन के दौरान महिलाओं के साथ क्या व्यवहार किया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)